श्रावण कृष्ण पक्ष-11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 35 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 अगस्त 2026 रविवार

आज का मौसम
28.3 अधिकतम
24.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बाहरी सुरक्षा कवच के लिए पाकिस्तान की रणनीति और भीतर सुलगता ज्वालामुखी

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किए के बीच मक्का में हुआ रक्षा समझौता पश्चिम एशिया की मौजूदा उथल-पुथल के बीच हुआ कोई सामान्य सैन्य समझौता नहीं है। इसके केंद्र में एक सीधी लेकिन दूरगामी घोषणा है। तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर भी हमला माना जाएगा। समझौते में किसी देश को दुश्मन घोषित नहीं किया गया है और न ही अभी इसकी ऐसी विस्तृत सैन्य व्यवस्था सामने आई है, जिससे इसे तत्काल किसी नए सैन्य गुट की संज्ञा दी जा सके। लेकिन इसके बावजूद इसका संदेश स्पष्ट है। तीनों देश अपनी सुरक्षा के लिए एक-दूसरे को रणनीतिक सहारा देने की दिशा में आगे बढ़े हैं।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

मक्का समझौता
पार्ट -1

इस समझौते को समझने के लिए तीनों देशों की जरूरतों को एक साथ देखना होगा...

सऊदी अरब के पास अपार आर्थिक और ऊर्जा शक्ति है, लेकिन पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा समीकरणों ने उसे यह सोचने पर मजबूर किया है कि केवल अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। पाकिस्तान के पास बड़ी और अनुभवी सैन्य शक्ति तथा परमाणु प्रतिरोधक क्षमता है। तुर्किए के पास नाटो का अनुभव, बड़ी सेना और तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग है। यानी इस त्रिकोण में सऊदी अरब संसाधन और रणनीतिक भूगोल है, पाकिस्तान सैन्य शक्ति और परमाणु प्रतिरोध है, और तुर्किए आधुनिक सैन्य क्षमता तथा क्षेत्रीय प्रभाव। इसीलिए इस समझौते को केवल तीन देशों की दोस्ती कहना इसके सामरिक महत्व को कम करके देखना होगा। लेकिन इसे अभी 'इस्लामिक नाटो' कहना भी जल्दबाजी होगी। असल सवाल यह है कि यह व्यवस्था आगे चलकर कितनी संस्थागत होती है और क्या इसके पीछे वास्तविक संयुक्त सैन्य क्षमता विकसित होती है।

और यहीं से सबसे पेचीदा सवाल शुरू होता है ईरान का...

समझौते में ईरान का नाम नहीं है। लेकिन पश्चिम एशिया की वर्तमान परिस्थितियों में तेहरान इस घटनाक्रम को अनदेखा नहीं कर सकता। सऊदी अरब और ईरान के बीच पिछले वर्षों में संबंध सुधारने की कोशिश हुई है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्ष ने उस संतुलन को फिर जटिल बना दिया है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति और कठिन है। एक ओर वह सऊदी अरब के साथ सामूहिक रक्षा व्यवस्था में प्रवेश कर रहा है, दूसरी ओर ईरान उसका पड़ोसी है। और इसी बीच इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश भी करता रहा है। यही पाकिस्तान की मौजूदा विदेश नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास है।

वह एक साथ सऊदी अरब का सुरक्षा साझेदार, ईरान का पड़ोसी, अमेरिका का संभावित मध्यस्थ और चीन का रणनीतिक सहयोगी बने रहना चाहता है।

तो क्या यह संतुलन लंबे समय तक संभव होगा? और इस समीकरण में इजरायल को कैसे अलग रखा जा सकता है?

इजरायल इस पूरे घटनाक्रम को केवल पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किए के बीच हुए समझौते के रूप में नहीं देखेगा। पाकिस्तान परमाणु शक्ति है, सऊदी अरब का रणनीतिक साझेदार है और तुर्किए के साथ अब सामूहिक रक्षा व्यवस्था में खड़ा है। इसलिए पश्चिम एशिया में इस नए सुरक्षा समीकरण का भविष्य इजरायल के लिए भी महत्वपूर्ण है। यानी पाकिस्तान ने मक्का में एक सुरक्षा कवच जरूर हासिल किया है, लेकिन इसके साथ उसकी कूटनीतिक जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं।

भारत का संदर्भ यहां और महत्वपूर्ण हो जाता है...

भारत ने पिछले वर्षों में जिस रणनीतिक स्वायत्तता को अपनाया है, उसमें अमेरिका और इजरायल के साथ मजबूत संबंधों के बावजूद ईरान के साथ संवाद और सहयोग के रास्ते खुले रखे हैं। सऊदी अरब के साथ भी भारत के संबंध अब केवल तेल खरीदने वाले देश और ग्राहक के रिश्ते नहीं हैं; वे निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग तक पहुंच चुके हैं। यानी भारत ने पश्चिम एशिया में किसी एक खेमे में खुद को बंद नहीं किया। अमेरिका से साझेदारी, इजरायल से रणनीतिक सहयोग,ईरान से संवाद, सऊदी अरब से गहरे संबंध। और इन सबके बीच अपनी स्वतंत्र रणनीतिक स्थिति। पाकिस्तान की स्थिति इससे अलग है। भारत के साथ उसका पुराना वैमनस्य उसकी हर नई रणनीतिक साझेदारी को दक्षिण एशियाई नजरिए से भी देखने को मजबूर करता है।

मक्का समझौते की असली परीक्षा...

मक्का समझौता भारत-विरोधी समझौता नहीं है। लेकिन पाकिस्तान की भारत-विरोधी रणनीतिक सोच को देखते हुए भारत इस बात को लेकर सतर्क रहेगा कि यह नई सुरक्षा व्यवस्था आगे चलकर किस दिशा में जाती है। और शायद यहीं इस समझौते की सबसे बड़ी विडंबना है। पाकिस्तान बाहर से जितना मजबूत सुरक्षा कवच तैयार कर रहा है, उसके भीतर का संकट उतना ही बड़ा दिखाई दे रहा है। बलूचिस्तान की अशांति, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में राजनीतिक बेचैनी और गिलगित-बाल्टिस्तान में असंतोष। ये सभी अलग-अलग समस्याएं हैं, लेकिन इन्हें एक साथ रखकर देखने पर पाकिस्तान के संघीय ढांचे पर बढ़ता दबाव दिखाई देता है। मार्च में गिलगित-बाल्टिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 20 लोगों की मौत की रिपोर्ट आई थी। वहां सुरक्षा प्रतिष्ठानों और दूसरी सरकारी संपत्तियों पर हमले भी हुए थे। लेकिन असली चिंता तब पैदा होगी जब सीमांत इलाकों की यह बेचैनी देश के राजनीतिक और आर्थिक हार्टलैंड पंजाब और सिंध में भी व्यापक राजनीतिक असंतोष से जुड़ने लगे। तब पाकिस्तान का संकट सीमाओं पर नहीं रहेगा। वह पाकिस्तान के भीतर पहुंच जाएगा। और यही वह बिंदु है जहां मक्का समझौते की असली परीक्षा शुरू होती है। क्योंकि किसी बाहरी हमले की स्थिति में सऊदी अरब और तुर्किए पाकिस्तान के साथ खड़े हो सकते हैं। लेकिन पाकिस्तान के भीतर उठ रहे सवालों का जवाब उसे खुद देना होगा।

यही इस समझौते की सबसे बड़ी अनकही कहानी है।

फिर बदला मौसम... सूखे जिलों को अब भी बरसात की आस

नर्मदा उफनी, 6 इंच बारिश से डिंडोरी बेहाल, जबलपुर-मंडला संपर्क कटा

हाइवे के पुल पर पानी, कई परिवारों को शिफ्ट किया गया

भोपाल / जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। राजधानी भोपाल में तो आज सुबह से हल्की कारिश हो रही है लेकिन डिंडौरी जिले में शनिवार रात 9 बजे से रविवार सुबह तक रिकॉर्ड 6 इंच बारिश दर्ज की गई है। इस मूसलाधार बारिश के चलते बजाग, करंजिया और समनापुर ब्लॉक में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जबलपुर और मंडला मार्ग पर पानी भर जाने से जिला मुख्यालय का संपर्क कट गया है। मंडला-डिंडौरी नेशनल हाईवे पर खरमेर नदी का पानी पुल के काफी ऊपर से बह रहा है, जिससे सक्का गांव के पास वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और भारी जाम की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले रास्तों पर न जाने की अपील की है।

नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। नदी किनारे रह रहे 7 परिवारों को रैन बसेरा में शिफ्ट किया गया है। मौसम केंद्र ने प्रदेश के दतिया, रीवा और सीधी जिलों में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग का कहना है कि मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से लो प्रेशर एरिया बन गया है, जो आने वाले दिनों में और मजबूत होगा। इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश के कई जिलों में आगामी दिनों में मूसलधार बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है। उधर,राजगढ़ जिले के ब्यावरा में रविवार सुबह से बारिश का दौर शुरू हुआ। इससे सोयाबीन, मूंग, उड़द, मक्का और ज्वार की फसलों को फायदा होगा।

नर्मदा नदी उफान पर है। डिंडोरी में पानी मंदिर के शिखर तक पहुंच गया।

50 जिलों में कम बरसात

प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 5 से 49 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया में से 49 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। मौसम विभाग की अनुसार पश्चिमी हिस्से के सिर्फ ग्वालियर, भिंड, बुरहानपुर, देवास और खरगोन में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली में 8 दिनों में हो गई महीने भर की बारिश

राजस्थान के जयपुर में रविवार सुबह 6 से 9 बजे तक लगातार बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट तक पानी भर गया। घरों में भी पानी घुस गया। वहीं, चूरू में भी कॉलोनियां डूब गईं। दिल्ली में पिछले 8 दिनों के दौरान महीने भर की बारिश हो गई। दिल्ली में अगस्त के शुरुआती 8 दिनों में 230.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो महीने की सामान्य औसत बारिश 226.8 मिमी से ज्यादा है।

मक्का में डिफेंस डील होने के बाद ही सऊदी में धमाके और रिफाइनरी में आग

जुबैल, एजेंसी

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए रक्षा समझौते के कुछ ही दिनों बाद सऊदी अरब में दो घटनाओं ने क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। जुबैल इंडस्ट्रियल सिटी में आज जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई और गैस फैसिलिटी में आग लगने की खबर सामने आई। क्षेत्रीय मीडिया में इसके पीछे यमन के हूती विद्रोहियों का हाथ होने का दावा किया गया है, हालांकि सऊदी सरकार ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दूसरी ओर, जजान में सऊदी अरामको की एक रिफाइनरी फैसिलिटी में भी आग लगी, जिसे औद्योगिक सुरक्षा टीम ने बुझा दिया।

सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। फिलहाल दोनों घटनाओं के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। घटनाओं की टाइमिंग को पाकिस्तान-सऊदी-तुर्की रक्षा समझौते और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तिरंगा यात्रा: देशभक्ति के साथ नशा मुक्ति का संदेश

बाइक से पहुंचे सीएम

भोपाल। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई भाजपा की तिरंगा यात्रा में आज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, बच्चे और शहरवासी शामिल हुए। सीएम के साथ ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

-विस्तृत खबर पेज-2 पर

न्यूज विंडो

महाराष्ट्र के नासिक में हल्के भूकंप के झटके, कई घरों में आई दरारें

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में देर रात भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इससे जिले के कुछ इलाकों में घरों की दीवारों में दरारें आ गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शनिवार रात 10 बजे नासिक में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया।

इंजन में शॉर्ट सर्किट से निकला धुआं, डेढ़ घंटे खड़ी रही ट्रेन

पानीपत। चंडीगढ़ से दिल्ली की ओर नई कोच लेकर जा रही ट्रेन के इंजन में आज सुबह 8 बजे अचानक शार्ट सर्किट होने से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलता देख लोको पायलट ने तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी। रेलवे अधिकारी और तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और इंजन की जांच शुरू की। स्थिति गंभीर नहीं होने की पुष्टि के बाद रेलवे अधिकारियों और यात्रियों ने राहत की सांस ली।

आज का कार्टून

300 फीट तक नीचे आ गया था एयर इंडिया का जहाज, कई यात्री हुए थे घायल

रिपोर्ट में दावा...फुकेट-दिल्ली फ्लाइट का कैप्टन नशे में था!

नई दिल्ली, एजेंसी

एयर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आ रही फ्लाइट के कैप्टन का डोप टेस्ट में सैंपल पॉजिटिव आने का दावा किया गया है। यह टेस्ट 4 अगस्त को फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने के बाद किया गया था। टेस्ट साइकोएक्टिव सब्सटेंस के लिए किया गया था। द टाइम्स ऑफ इंडिया ने कई सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

हालांकि, एयर इंडिया ने इसकी पुष्टि नहीं की है। 4 अगस्त को एयर इंडिया की एयरबस A320 फ्लाइट टर्बुलेंस, यानी तेज हवा के झटकों में फंस गई थी। इस दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया। फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। जांच पूरी होने तकत फ्लाइट क्रू को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमें जानकारी है कि लागू प्रोटोकॉल के तहत उड़ान के बाद पायलटों की स्क्रीनिंग की गई थी। हालांकि, टेस्ट के नतीजे एयर इंडिया के साथ साझा नहीं किए गए हैं। इसलिए हम किसी भी निष्कर्ष पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि एयरलाइन सिविल एविएशन नियमों के तहत क्रू मेंबर्स का नियमित ड्रग टेस्ट कराती है। यह किसी खास उड़ान और ऑपरेशनल घटना से अलग प्रक्रिया है। जरूरत के मुताबिक हम संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करते रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन इस मामले की हर पहलू से जांच कर रहा है। जांच में यह देखा जा रहा है कि टर्बुलेंस के दौरान स्थिति से निपटने का तरीका सही था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह घटना सिर्फ खराब मौसम की वजह से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

झटकों के बाद यात्रियों का हुआ था बुरा हाल।

'जोरू का गुलाम' फेम निर्देशक शकील गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की मालवानी पुलिस ने डायरेक्टर शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न के केस में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने 33 वर्षीय अभिनेत्री द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया है। नूरानी ने 'बड़े दिलवाला' और 'जोरू का गुलाम' जैसी फिल्मों का लेखन, निर्माण और निर्देशन किया है। पुलिस के मुताबिक, नूरानी ने आगामी फिल्म प्रोजेक्ट पर चर्चा करने के बहाने एक 33 वर्षीय अभिनेत्री को मलवणी स्थित अपने आवास पर बुलाया था।

लोगों से बात करते दिखाई दिए

मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहला वीडियो आया सामने

तेहरान। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहला वीडियो सामने आया है। इसे ईरान की न्यूज एजेंसी मेहर ने जारी किया है। इसमें मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच नजर आ रहे हैं और उनसे बातचीत करते दिख रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला वीडियो है। हालांकि, वीडियो कब रिकॉर्ड किया गया था, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

पिछले कुछ दिनों से उनकी सेहत को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने सूत्रों के हवाले से कहा था कि उनकी हालत गंभीर है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। यहां तक कि जल्दी ही उनकी मौत होने तक की आशंका जताई गई थी। ऐसे में अब यह वीडियो सामने आने के बाद इन दावों पर सवाल खड़े हो गए हैं, लेकिन उनकी मौजूदा हालत को लेकर तस्वीर अब भी पूरी तरह साफ नहीं है।

5 लाख भारतीयों पर असर

H-1B वीजा वालों की नौकरी गई तो अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

वाशिंगटन। अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है। यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं।

जमात-ए-इस्लामी पर शिकंजा

यूएपीए मामले में 26 ठिकानों पर पुलिस का छापा, दस्तावेज जब्त

सोपोर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े यूएपीए मामले की जांच के तहत सोपोर पुलिस ने आज पुलिस जिला सोपोर में 26 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ये तलाशी जेईआई के नेताओं, सदस्यों और कार्यकर्ताओं से जुड़े आवासीय एवं अन्य परिसरों में की गई।

अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से आपत्तिजनक दस्तावेज, साहित्य और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद कर जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की जांच की जा रही है ताकि प्रतिबंधित संगठन से जुड़े अन्य लोगों गतिविधियों और संभावित नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठनों और उनसे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। तलाशी की पूरी कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और नियमों के तहत की गई।

भोपाल रेलवे स्टेशनः एंट्री गेट से लेकर प्लेटफॉर्म तक पसरी है गंदगी, लिफ्ट की दीवारें भी दागदार

पान-गुटखे के गंदे दाग में गुम हो रहा स्टेशन को हेरिटेज बनाने का दावा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के प्रमुख रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता व्यवस्था सवालों के घेरे में है। यात्रियों की सुविधा और साफ-सफाई के लिए लगातार दावे किए जा रहे हैं। लेकिन स्टेशन परिसर की तस्वीरें इन दावों की पोल खोल रही है। तमाम कैमरे और जन-जागरूकता के बोर्ड लगाने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर जगह-जगह गुटखे की पीक के निशान हैं। दीवारें भी स्याह हो रही हैं। इतना ही नहीं, यात्रियों की सुविधा के लिए जो लिफ्ट लगाई गई, उसके अंदर भी गंदगी पसरी है। पीक के गहरे दाग रेल प्रबंधन का माखौल उड़ा रही है। स्टेशन में एंट्री प्वॉइंट लेकर प्लेटफॉर्म तक पर गंदगी जमा है। यात्रियों का कहना है कि पान-गुटखे के लाल गहरे निशान के बीच उन्हें चलना पड़ रहा है। खास यह है कि स्टेशन का जीर्णोद्धार करीब 17 करोड़ रुपए से करने के बाद भी व्यवस्था नहीं सुधर रही। इससे भोपाल रेलवे स्टेशन की सुंदरता जहां दागदार हो रही है, वहीं गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई न के बराबर ही है। बता दें, फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी कई डेलिगेट्स ट्रेनों से भोपाल आए थे। तब स्टेशन की सफाई की खास व्यवस्था की गई थी। अब रूटीन सफाई भी अच्छी नहीं हो रही।

नई बिल्डिंग बनी, रोज 60 हजार यात्रियों की आवाजाही, फिर भी मेंटेनेंस नहीं

करीब 17 करोड़ रुपए से स्टेशन की नई बिल्डिंग बनाई गई है। इसे मई 2023 में यात्रियों के लिए खोला गया। अब इसे हेरिटेज लुक भी दिया गया है। आंकड़े बताते हैं कि भोपाल स्टेशन पर करीब 58,133 यात्री रोज आवाजाही करते हैं। रोज करीब 60 हजार यात्रियों का फुटफॉल है। इसके बाद भी मेंटेनेंस नहीं किया जा रहा। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही के बाद भी स्टेशन पर गंदगी शहर को शर्मसार कर रही है।

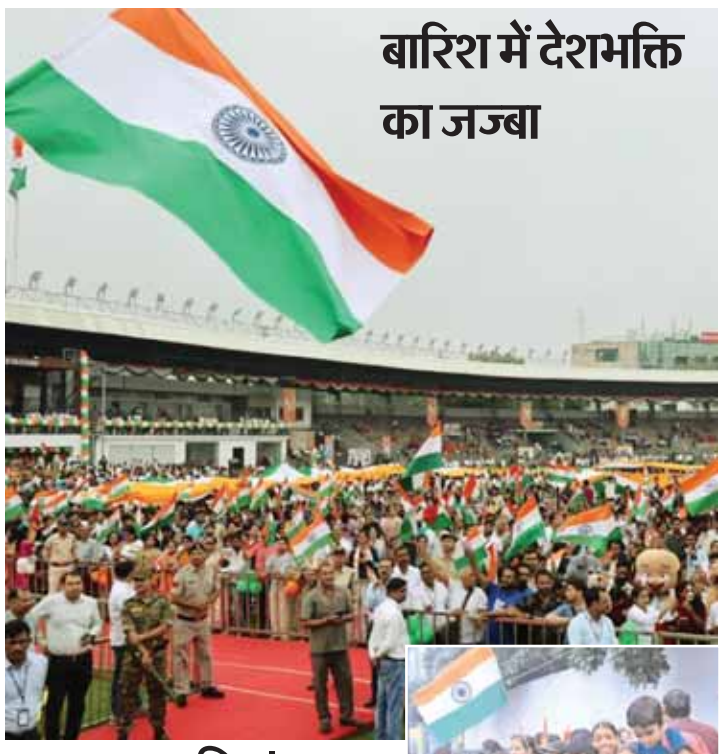

बारिश में देशभक्ति का जज्बा

हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधनी में रविवार को बारिश के बीच जिला भाजपा की तिरंगा यात्रा निकली। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई यात्रा में सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह समेत जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। तेज बारिश के बावजूद बच्चों और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बना। हाथों में तिरंगा लेकर लोग 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। पहले तिरंगा यात्रा टीटी नगर स्टेडियम से न्यू मार्केट, रोशनपुरा चौराहे होते हुए वापस टीटी नगर आने वाली थी। तेज बारिश और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा का रूट छोटा किया गया। न्यू मार्केट के नानके पेट्रोल पंप चौराहे से पहले ही यात्रा को वापस टीटी नगर की ओर मोड़ दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा अभियन' के तहत हुए कार्यक्रम में देशभक्ति की बयार बही। सीएम डॉ. मोहन यादव बुलेट से स्टेडियम पहुंचे। इसके बाद वे हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा में साथ चले।

अशोका गार्डन की महिला को कहा-भाई कजान में फंसा है और ले उड़े रुपए

निवेश-रोजगार का छलावा देकर 6 लोगों से ठगी, सब-इंजीनियर के 58 लाख उड़ाए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 24 घंटे में अलग-अलग घटनाओं में 6 लोगों को ठगों ने अपना शिकार बना लिया। सभी मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किया है। ठगों ने उक्त छह मामलों में सबसे बड़ा शिकार अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित आईनेस गार्डन में रहने वाले सिंचाई विभाग के रिटायर्ड सब इंजीनियर केशर नायक को बनाया है। ठगों ने उनके जीवनभर की बचत 58.60 लाख रुपए लूट ली। ठगों ने ड्रीम रिसर्च कंपनी, कांदीवली मुंबई में रुपए निवेश करने का झांसा दिया। इसके बाद महिला सहित छह लोगों के बैंक खाते में 58.60 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन करा लिया। इसके बाद ठगों ने मोबाइल बंद कर लिए। सब-इंजीनियर ने देवास में शिकायत की। वहां से केस को अयोध्या नगर पुलिस के पास ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया, केशर सिंह नायक (69) सिंचाई विभाग में सब इंजीनियर थे। पत्नी की पिछले साल मौत हो गई। दो बच्चे हैं। वर्ष 2017 में वे रिटायर्ड हो गए। उनके परिचित ने उन्हें बताया कि ड्रीम रिसर्च कंपनी में निवेश किया तो अच्छा मुनाफा मिला। उन्होंने अनिरुद्ध सक्सेना का मोबाइल नंबर भी दिया। फोन पर सक्सेना से बात होने लगी। बाद में अजय त्यागी से भी बात कराई गई। दोनों ने कहने पर वर्ष 2020 में 25 हजार रुपए का निवेश कर दिया। फिर अनिरुद्ध और अजय ने कहा बड़ा निवेश करने पर ज्यादा मुनाफा मिलेगा। उनके झांसे में नायक आ गए और आरोपियों ने 6 खातों में 58.60 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए।

देवास में था बैंक खाता, कराई एफआइआर

सब-इंजीनियर केशर नायक को पता चला कि ठगों ने उनसे रुपए लेकर जिन खातों में जमा किए। वह खाता देवास में है। इसक बाद उन्होंने तत्काल परिचित के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। देवास पुलिस ने केस दर्ज कर लिया, लेकिन घटनास्थल अयोध्या नगर थाने का होने के कारण केस डायरी अयोध्या नगर पुलिस को सौंप दी गई। अब पूरे मामले में अयोध्या पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपी अनिरूद्ध और अजय की तलाश की जा रही है।

मोबाइल अपडेट..कृषि अधिकारी का खाता खाली

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राहुल जैन (39) के मोबाइल को हैक कर साइबर ठगों ने उनके दो बैंक खातों से 99,006 रुपए उड़ा लिए। जैन ने पुलिस को बताया कि वे पुराने सचिवालय स्थित विकासखंड फंदा कार्यालय में ड्यूटी पर थे। दोपहर 12:45 बजे उनका मोबाइल अपने आप अपडेट होने लगा। उन्होंने इसे सामान्य समझा। 3:15 बजे मोबाइल सामान्य हुआ, लेकिन अपडेट के दौरान आए कॉल और वाट्सऐप मैसेज दिखाई नहीं दे रहे थे। घर पहुंचने पर किरायेदार ने फोन कर बताया कि उसने किराया खाते में भेजा है। बैलेंस चेक करते ही पता चला अशोक कुमार नामक व्यक्ति ने 23 हजार और 26 हजार (कुल 49 हजार रुपए) उनके खाते में भेजे थे। यानी, करीब 99,006 रुपए आरएस इंटरप्राइजेस में ट्रांसफर हो गए। उनके यूको बैंक खाते से भी 99,006 रुपए बादशाह नाम के व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए। पुलिस खाताधारकों की जानकारी जांच कर रही है।

ठगी के ये तरीक भी, रहें सावधान

मयूर विहार अशोका गार्डन की आशिया निशा (38) से ठग ने उनके जेद्दा में रहने वाले कजन शोएब अली की फर्जी आईडी बनाकर संपर्क किया। मैसेज किया कि वीजा खत्म हो गया है। वह वीजा कार्यालय में फंसा है, इसलिए पैसों की जरूरत है। उसने पहले आशिया से खाते की पासबुक की फोटो मांगी और फिर फर्जी मैसेज भेजकर बताया कि खाते में 3.15 लाख रुपए डाल दिए। आरोपियों ने कहा, उसे मुंबई में किसी को रुपए देना है। उसके भेजे पैसों में से रकम ट्रांसफर कर दें। आशिया ने पहले 20 हजार और फिर 30 हजार, कुल 50 हजार रुपए भेज दिए। बाद में पता चला कि ठगी हो गई।

ऐसी ठगी...

अशोका गार्डन की मंदा सदार की नातिन मोबाइल पर गेम खेल रही थी। फोन पर एपीके फाइल आई। बच्ची ने गलती से क्लिक किया और खाते से 49,866 रुपए कट गए।
सेमरा कलां की प्रियंका अहिरवार को इंस्टाग्राम पर घर बैठे काम का लालच देकरीब दो लाख रुपए ठगे।
बागसेवनिया की शिल्पी जैन के खाते से भी 2,49,001 रुपए की आनलाइन धोखाधड़ी की गई।

ठेले-खोमचे वालों की भी व्यवस्था करने के दिए निर्देश, पुलिस कमिश्नर ने दिया भरोसा

सांसद ने पुलिस कमिश्नर से कहा-पुराने शहर का ट्रैफिक सुधारें, मोती मस्जिद-सदर मंजिल से बैरिकेडिंग हटाएं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पुराने भोपाल के बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम बनाने और व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के साथ बैठक की। इसमें भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने बाजार में लगातार लग रहे जाम, गैर जरूरी बैरिकेडिंग, अतिक्रमण व ट्रैफिक से जुड़ी समस्याएं सांसद को बताईं। व्यापारियों ने मोती मस्जिद के पास की गई बैरिकेडिंग से बाजार में आने-जाने में हो रही दिक्कत पर भी बात की। सांसद शर्मा ने पुलिस कमिश्नर से मोती मस्जिद से सदर मंजिल की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई बैरिकेडिंग को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसा न होने से आम लोगों और व्यापारियों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था के लिए रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने की बात कही।

सांसद ने कहा कि पुलिस-प्रशासन की पहली जिम्मेदारी लोगों को सुविधाएं देना है, इसलिए ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे दिक्कत न हो।

इन पर भी चर्चा

सुल्तानिया रोड और इमामी गेट क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठाया गया। सांसद ने कहा कि इकबाल मैदान के आसपास सड़क किनारे बड़ी फल-सब्जियों के ठेले लगने से ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। इसकी व्यवस्था बनाएं। ठेले-खोमचे वालों की भी व्यवस्था करें। पुलिस कमिश्नर ने व्यवस्था बनाने का भरोसा दिया।

मानव सेवा ही माधव सेवा...खुशीपुरा स्कूल में कार्यक्रम

सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री, खिल गए नन्हे चेहरे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कहते हैं, मानव सेवा ही माधव सेवा है। इसी भाव के साथ बिना किसी शासकीय अनुदान या सहयोग 23 साल से जरूरतों के लिए काम कर रही ओम साई राम सेवा धाम समिति रेल कोच फैक्ट्री भोपाल ने दिव्यांग असहाय निर्धन वर्ग के सरकारी स्कूलों के बच्चों शैक्षणिक सामग्री बांटीं। यह दो दिनी आयोजन शासकीय नवीन हायर सेकंडरी स्कूल खुशीपुरा चांदबढ़ में हुआ। पूर्व संस्था ने शासकीय प्राथमिक शाला करारिया एवं द्वारका नगर के 110 एवं खुशीपुरा के 90 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षण सामग्री बांटी गई।

स्कूल की फीस भी भरती है संस्था

जिन बच्चों के माता-पिता का निधन हो गया, संस्था उनकी स्कूल फीस भी भरती है। संस्था की ओर से कुंदन चौहान, चंद्रशेखर साबले, पुरुषोतम आठिया, वीरेंद्र बड़गैया, घनश्याम मैथिल,मनीष चौहान,अनिल साकेत, शिव शंकर कुशवाह, अमर सिंह सोलंकी, ब्रजभान शर्मा, अखिलेश लोधी, अजय रजक, जयनारायण लोधी एवं शाला के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर अस्पतालों में दवा की कमी नहीं होगी, अभी ग्वालियर से मंगवानी पड़ रही दवाइयां

भोपाल में बन रही प्रदेश की दूसरी सरकारी आयुर्वेदिक फार्मेसी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आयुर्वेदिक इलाज कराने वालों के लिए राहतभरी खबर है। पं. खुशीलाल आयुर्वेद अस्पताल परिसर में प्रदेश की दूसरी सरकारी आयुर्वेद फार्मेसी बन रही है। इसका निर्माण अंतिम चरण में है। प्रबंधन का दावा है कि एक साल में यहां दवाइयों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। नई फार्मेसी शुरू होने से सरकारी अस्पतालों में आयुर्वेदिक दवाइयों की उपलब्धता बढ़ेगी। मरीजों को बाहर से महंगी दवा नहीं खरीदनी होगी। अभी प्रदेश में सरकारी स्तर पर आयुर्वेदिक दवाइयों का निर्माण सिर्फ ग्वालियर स्थित फार्मेसी में होता है। यहीं से प्रदेशभर के सरकारी आयुर्वेद अस्पतालों में दवाइयां भेजी जाती हैं।

प्रबंधन का दावा कि एक साल में बनकर तैयार हो जाएगी फार्मेसी, ग्वालियर पर निर्भरता हो जाएगी कम, मरीजों को होगा फायदा

नई फार्मेसी से ये होंगे फायदे

- भोपाल में दूसरी सरकारी फार्मेसी शुरू होने से दवा उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।
- सामान्य उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों के बनने से अस्पतालों में कमी नहीं रहेगी।
- ये दवा सस्ती होंगी, मरीजों का आर्थिक बोझ कम होगा।
- भोपाल संभाग के आयुर्वेदिक अस्पतालों में दवाइयों की आपूर्ति तेज होगी। मरीजो को पेरशानी नहीं होगी।

रिसर्च को भी मिलेगा बढ़ावा

फार्मेसी में सिर्फ दवाइयों का उत्पादन ही नहीं होगा। यहां आयुर्वेदिक दवाइयों से जुड़े कई तरह के शोध भी हो सकेंगे। आयुवेर्दिक संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शोध के लिए पर्याप्त माहौल मिलेगा। इससे शोध विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा और गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक दवाओं के विकास को बढ़ावा मिलेगा। पं. खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान के फार्मेसी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर पति ने बताया कि फार्मेसी का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मशीनों की स्थापना के बाद इसे चालू किया जाएगा।

भोपाल को मिलेगा सीधा फायदा

पंडित खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान के फार्मेसी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर का कहना है कि इस फार्मेसी के शुरू होने से भोपाल संभाग को सीधा फायदा मिलेगा। संभाग के आयुर्वेदिक अस्पतालों में दवाइयों की आपूर्ति तेज और सुचारु होगी। इससे ग्वालियर पर निर्भरता कम होगी। यहां भर्ती मरीजों के इलाज में आसानी होगी। उनकी बीमारियों के लिए जरूरी दवाइयों पर शोध किया जाएगा। बताते हैं, भोपाल में दवाइयां बनने से दवाइयों की कीमत सस्ती होगी। बड़ी कंपनियों की दवाइयां मरीजों को नहीं खरीदनी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री करेंगे नई सेवा की शुरुआत

प्रदेश को मिली चार नई उड़ानें, रीवा और पटना की सीधी सेवा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश को चार नई उड़ानें मिली हैं। रविवार से चार नए रूट पर हवाई सेवा शुरू होने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने राजा भोज एयरपोर्ट पर प्रदेश की 4 नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता रूट शामिल हैं। हवाई सेवाओं का संचालन अलायंस एयर करेगी। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के तहत इन रूट्स को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। हर राउंड ट्रिप पर सरकार की ओर से 10 लाख रुपए तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग दी जाएगी।

भोपाल से विंध्य और बिहार तक

नई उड़ान शुरू होने से राजधानी भोपाल और विंध्य क्षेत्र के बीच सीधा हवाई संपर्क मजबूत होगा। भोपाल सीधे पटना से जुड़ेगा। रीवा और जबलपुर से कोलकाता की सीधी उड़ान से विंध्य और महाकौशल क्षेत्र का पूर्वी भारत से हवाई संपर्क मजबूत होगा। सरकार काा कहना है, इससे प्रदेश में पर्यटन भी बढ़ेगा।

चेकिंग के नाम पर गाली देने और चाबी निकालने का अधिकार नहीं

वकील से हुई थी अभद्रता हाईकोर्ट पहुंचा मामला

भोपाल/जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ट्रैफिक चेकिंग के दौरान एक अधिवक्ता के साथ कथित तौर पर हुई अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने जबलपुर पुलिस अधीक्षक (एसपी) को इस संबंध में दी गई शिकायत पर कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान बेहद स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून लागू करने के लिए सख्ती जरूरी है, लेकिन इसका मतलब यह

कतई नहीं है कि पुलिसकर्मी नागरिकों के साथ शालीनता और सभ्यता की सीमा लांघ जाएं।

क्यों गरमाया वकीलों का गुस्सा

यह पूरा मामला जबलपुर के साउथ सिविल लाइन्स के रहने वाले अधिवक्ता श्रेयांस दिवार से जुड़ा हुआ है। याचिका में आरोप लगाया गया कि 11 जुलाई 2026 को विजय नगर थाना क्षेत्र में ट्रैफिक चेकिंग के दौरान तैनात पुलिसकर्मियों (कलमेश मेश्राम और अनिल पटेल) ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और कथित तौर पर मारपीट व आपराधिक धमकी भी दी। इस घटना के बाद वकीलों में भारी रोष व्याप्त हो गया था, जिसके चलते वकीलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जबलपुर एसपी सम्पत उपाध्याय से मुलाकात कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

वकीलों को क्यों लेनी पड़ी हाईकोर्ट की शरण

वकीलों के प्रतिनिधिमंडल में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार के निवर्तमान सचिव परितोष त्रिवेदी और सह सचिव योगेश सोनी समेत कई अन्य अधिवक्ता शामिल थे। अधिवक्ता योगेश सोनी के मुताबिक, जब स्थानीय स्तर पर पुलिस विभाग की तरफ से कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया, तब उनके साथी अधिवक्ता को न्याय के लिए आखिरकार मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। याचिकाकर्ता की तरफ से अदालत में पैरवी अधिवक्ता निखिल तिवारी और अंशुल तिवारी ने की।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणियां और नियम

सुनवाई के दौरान अदालत ने ट्रैफिक चेकिंग के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर सवाल उठाए और पुलिस महकमे को स्पष्ट संदेश दिया...

चाबी निकालने का अधिकार नहीं: कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रैफिक चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को किसी भी वाहन की चाबी निकालने का कानूनी अधिकार नहीं है।

संयम और शालीनता जरूरी: पुलिस का काम कानून का पालन कराना है, लेकिन इस दौरान नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना भी उसकी पहली जिम्मेदारी है।

अनावश्यक विवाद अनुचित: चेकिंग के नाम पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल या वाहन चालकों के साथ अनर्गल बहस करना कतई उचित नहीं माना जा सकता।

सीएम डॉ. मोहन यादव महाकालेश्वर की आरती में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रावण के पवित्र माह में श्रीमहाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर भगवान महाकालेश्वर और नंदी जी का पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में आए श्रद्धालुओं से चर्चा कर मंदिर की दर्शन व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने सीएम यादव को भगवान महाकालेश्वर का अंगवस्त्रम ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

हिंदी-अंग्रेजी के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दे रहे विद्यार्थी

एमपी के सरकारी स्कूलों में संस्कृत शिक्षकों के सामने पढ़ाने का संकट, खाली जा रहीं कक्षाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में संस्कृत विषय के शिक्षकों के सामने अब पढ़ाने के लिए विद्यार्थियों की कमी का संकट खड़ा हो गया है। खासकर कक्षा 9वीं और 11वीं में संस्कृत विषय चुनने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार कम होने की जानकारी सामने आई है। इसकी एक बड़ी वजह माध्यमिक शिक्षा मंडल की अंक योजना को माना जा रहा है। इसमें व्यावसायिक पाठ्यक्रम चुनने वाले विद्यार्थियों को दो भाषाओं के चयन की छूट है। ऐसे में अधिकांश विद्यार्थी हिंदी और अंग्रेजी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान ने अब स्थिति की जानकारी जुटाना शुरू किया है। प्रदेश के सभी स्कूलों से 2025-26 और 2026-27 में कुल विद्यार्थियों तथा 9वीं और 11वीं में संस्कृत विषय चुनने वाले विद्यार्थियों की संख्या मांगी गई है। साथ ही ऐसे स्कूलों की जानकारी भी मांगी गई है, जहां संस्कृत की कक्षाएं खाली जा रही हैं।

विभाग को शिकायतें मिली हैं कि कई हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में संस्कृत के उच्च माध्यमिक शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन पर्याप्त विद्यार्थी नहीं होने के कारण विषय की कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं। संस्थान के निदेशक रविंद्र सिंह ने कहा कि संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या जुटाई जा रही है और बच्चों को संस्कृत विषय चुनने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संस्कृत चुनने वालों का आंकड़ा जुटा रहा शिक्षा विभाग

अंक योजना ने बदला विद्यार्थियों का विषय चयन

माध्यमिक शिक्षा मंडल की अंक योजना के कारण 9वीं और 11वीं कक्षा में विद्यार्थियों के विषय चयन का असर संस्कृत पर पड़ रहा है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम चुनने वाले विद्यार्थियों को दो भाषाओं का चयन करने की छूट है। ऐसे में विद्यार्थी आमतौर पर हिंदी और अंग्रेजी को प्राथमिकता दे रहे हैं। तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाने वाली संस्कृत उनके विकल्पों में पीछे छूट रही है। स्कूलों के प्राचार्यों का कहना है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम के साथ विद्यार्थियों को हिंदी और अंग्रेजी पढ़ना अधिक सुविधाजनक लगता है। इसका सीधा असर संस्कृत विषय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या पर पड़ रहा है।

...पढ़ने वाले विद्यार्थी नहीं

प्रदेश के कई हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में संस्कृत विषय के शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए पर्याप्त विद्यार्थी नहीं मिल रहे हैं। प्राचार्यों के अनुसार 9वीं और 11वीं में विद्यार्थी दो भाषाओं के रूप में हिंदी और अंग्रेजी का चयन कर रहे हैं। इसके साथ वे व्यावसायिक पाठ्यक्रम लेना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में संस्कृत के लिए विद्यार्थियों की संख्या काफी कम रह जाती है। कुछ स्कूलों में स्थिति यह है कि शिक्षक उपलब्ध हैं, लेकिन संस्कृत विषय की कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या इतनी कम है कि नियमित कक्षा संचालन प्रभावित हो रहा है।

स्कूलों से मांगा संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों का आंकड़ा

संस्कृत विषय की स्थिति जानने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों से विस्तृत जानकारी मांगी है। विभाग ने सत्र 2025-26 और 2026-27 में स्कूलों में पढ़ने वाले कुल विद्यार्थियों की संख्या के साथ 9वीं और 11वीं में संस्कृत विषय चुनने वाले विद्यार्थियों का आंकड़ा मांगा है। इसके अलावा ऐसे स्कूलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है, जहां संस्कृत की कक्षाएं खाली जा रही हैं। विभाग को कई जिलों से ऐसी जानकारी मिली है कि स्कूलों में संस्कृत के उच्च माध्यमिक शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन विषय चुनने वाले विद्यार्थियों की संख्या बेहद कम है।

संस्कृत को बढ़ावा देने बच्चों को करेंगे प्रोत्साहित

संस्कृत भाषा को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए अब स्कूल शिक्षा विभाग और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान सक्रिय हो गए हैं। विभाग का उद्देश्य केवल संस्कृत विषय चुनने वाले विद्यार्थियों का आंकड़ा जुटाना नहीं, बल्कि स्कूलों में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ाना भी है। इसके लिए शिक्षकों को विद्यार्थियों को संस्कृत विषय चुनने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक रविंद्र सिंह के अनुसार प्रदेश में संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों की संख्या जुटाई जा रही है। इससे उन स्कूलों की पहचान भी हो सकेगी, जहां संस्कृत विषय की कक्षाएं खाली चल रही हैं। आंकड़ों के आधार पर विद्यार्थियों को संस्कृत के महत्व और इसके अध्ययन के अवसरों की जानकारी देकर विषय के प्रति रुचि बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

ब्रिक्स सम्मेलन 2026 में शामिल हुए 14 देशों के मंत्री, 'भोपाल घोषणा पत्र' जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में चार दिन से चल रहे ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 का समापन हो गया। आखिरी दिन ब्रिक्स देश के संस्कृति मंत्रियों की मौजूदगी में मीटिंग हुई। इसमें 'भोपाल घोषणा पत्र' जारी किया गया। साथ ही सभी देशों के कलाकारों को मौका देने, चोरी या गलत रास्ते से विदेशों में पहुंची सांस्कृतिक संपदाओं को वापस लाने का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि बीते 3 दिन से जो मंथन चल रहा था, उस सम्मेलन का भोपाल घोषणा पत्र के साथ समापन हुआ। साझेदार देशों के बीच संस्कृति को बढ़ावा देने पर विचार हुआ है। यह ब्रिक्स देशों की 11वीं बैठक है। 11 देश के 55 प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार और स्थिरता' थी। पहली बार समयावधि लक्ष्य तय किए हैं। सांस्कृतिक और विरासत को लेकर साझा रोडमेप तैयार किया। डिजिटल माध्यम भी इस घोषणा पत्र में तैयार किया गया। सांस्कृतिक संपदाओं को वापस लाने की भी पहल इस डॉक्यूमेंट में की गई है।

भोपाल घोषणा का उद्देश्य ब्रिक्स सांस्कृतिक सहयोग के संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करना, संस्कृति और विरासत के समकालीन एवं पारंपरिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए साझा रोडमैप प्रदान करना है। एक प्रमुख क्षेत्र सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग तथा रचनात्मक अर्थव्यवस्था में सहयोग है। जिसमें कार्यप्रणालियों, अनुभवों और श्रेष्ठ प्रथाओं का आदान-प्रदान, रचनाकारों को सहयोग, नेटवर्किंग तथा डिजिटल साधनों के माध्यम से बाजार तक पहुंच के अवसरों का विस्तार शामिल हैं। घोषणा में यूनेस्को की बहुराष्ट्रीय नामांकन प्रक्रियाओं पर सहयोग को बढ़ाने का प्रावधान है, जिसका उद्देश्य साझा और परस्पर संबद्ध सांस्कृतिक विरासत की मान्यता तथा संरक्षण के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है।

भारत की अध्यक्षता में हुआ सम्मेलन

यह सम्मेलन भारत की अध्यक्षता में हुआ। जिसने ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक व्यावहारिक और दूरदर्शी रूपरेखा प्रदान की। संस्कृति कार्य समूह की तीन बैठक के बाद भोपाल में मंत्री स्तरीय विचार-विमर्श हुआ।

एमपी के व्यापमं महाघोटाले ने लिखी थी पेपर लीक की पटकथा : अजय सिंह

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने आरोप लगाया कि पूरे देश में पेपर लीक की जो स्थिति बनी है, उसकी पटकथा मध्यप्रदेश में पहले ही लिख दी गई थी। शिवराज सरकार के कार्यकाल में हुआ व्यापमं घोटाला सबसे पहला और संगठित परीक्षा घोटाला था। उन्होंने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक घोटालों ने देश के करोड़ों होनहार युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। यदि उस समय व्यापमं मामले में शामिल शीर्ष नेताओं और अफसरों पर समय रहते सख्त कार्रवाई हो गई होती तो यह पूरे देश में एक मिसाल बनती7 इससे पेपर लीक करने वालों के हौसले बुलंद नहीं होते। साथ ही नीट जैसे राष्ट्रीय स्तर के पेपर लीक मामलों

पर बहुत पहले ही रोक लग चुकी होती।

अजय सिंह ने कहा कि व्यापम घोटाला केवल पैसों की हेराफेरी नहीं था, बल्कि यह सबसे बड़ा खूनी घोटाला भी था। जांच शुरू होने के बाद लगभग चालीस से पचास गवाहों, पत्रकारों और संदिग्धों सहित अनेक लोगों की रहस्यमयी परिस्थितियों में जान चली गई। आज भी जांच और अदालती मुकदमे पेंडिंग पड़े हैं। सत्ता के संरक्षण में बड़े मगरमच्छों को बचा लिया गया और सिर्फ छोटे प्यादों को मोहरा बनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया7 न्याय में देरी ने माफियाओं के मन से कानून का डर पूरी तरह खत्म कर दिया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्य प्रदेश से शुरू हुआ परीक्षा में भ्रष्टाचार का यह वायरस आज

राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है। सरकारें केवल जांच समितियों और लीपापोती के भरोसे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही हैं। उन्होंने असली संरक्षकों को बेनकाब करने और व्यापमं के पेंडिंग मुकदमों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर बड़े दोषियों को तत्काल जेल भेजने की मांग की है।

उठी हुई कलम से आखिरी व्यक्ति का लाभ होना चाहिए : अनुराधा शंकर

भोपाल। हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के अवसर पर हिंदी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा सप्रे संग्रहालय के ज्ञानतीर्थ सभागार में दो सदियों की साक्षी : हिंदी पत्रकारिता-महिला पत्रकारों की महती भूमिका विषय पर विशेष विमर्श आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिंदी पत्रकारिता के विकास में महिला पत्रकारों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और वर्तमान चुनौतियों पर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत विशेष पुलिस महानिदेशक एवं गांधीवादी सुश्री अनुराधा शंकर सिंह ने कहा कि पत्रकारिता की कलम ऐसी होनी चाहिए, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति को भी लाभ मिले।

मंत्रालय में ही लागू नहीं हुआ चौथे समयमान का आदेश, कर्मचारी अब आंदोलन की राह पर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में 35 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों-कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान देने का मामला मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए अब भी लंबित है। प्रदेश के कई विभागों में पात्र कर्मचारियों को इसका लाभ मिल चुका है, लेकिन मंत्रालय, विधानसभा और राजभवन के कर्मचारी अभी तक इससे वंचित हैं। मामले को लेकर मंत्रालय सेवा अधिकारी/कर्मचारी संघ में नाराजगी बढ़ रही है और संघ ने जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक के अनुसार वर्ष 2023 में प्रदेश के ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान देने के आदेश जारी किए गए थे, जिन्होंने 35 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है या भविष्य में यह अवधि पूरी करेंगे। आदेश जारी होने के बाद विभिन्न विभागों में पात्र कर्मचारियों को इसका लाभ दिया गया। इसके बावजूद मंत्रालय सेवा के कर्मचारियों के मामले में अब तक निर्णय नहीं हो सका है।

संघ का कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग की मंजूरी के आधार पर अन्य विभागों के कर्मचारियों को चौथा समयमान दिया जा रहा है। विडंबना यह है कि इसी विभाग के मंत्रालयीन कर्मचारी ही इस लाभ से वंचित हैं। मंत्रालय के सहायक अनुभाग अधिकारी और अनुभाग अधिकारी संवर्ग के पृथक वेतनमान को आधार बनाकर चौथे समयमान का प्रकरण कैबिनेट अनुमोदन के लिए भेजा जाना है, लेकिन यह प्रक्रिया करीब तीन साल से लंबित है।

संघ के मुताबिक 35 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले पात्र कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है। ऐसे में चौथा समयमान देने पर सरकार पर वित्तीय भार भी नगण्य आएगा। इसके बावजूद फाइल आगे नहीं बढ़ने से कर्मचारियों में असंतोष है। संघ अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने बताया कि मांग को लेकर कई बार ज्ञापन दिए गए और अधिकारियों के साथ वार्ता भी हुई, लेकिन अभी तक ठोस निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जल्द समाधान नहीं निकला तो मंत्रालय में आंदोलन की

मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

टैक्सी चालक 18 से 20 अगस्त के बीच सीएम हाउस का करेंगे घेराव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एग्रीगेटर कंपनियों की किराया नीति और कथित मनमानी के विरोध में भोपाल के टैक्सी चालक अब प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी में हैं। चिनार पार्क में भोपाल टैक्सी चालक संघ और टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत से जुड़े पदाधिकारियों एवं चालकों की बैठक हुई। इसमें 15 अगस्त को भोपाल में बड़ी रैली निकालने का निर्णय लिया गया। इसके बाद 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेश स्तरीय आंदोलन करते हुए मुख्यमंत्री आवास के घेराव की तैयारी है। टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत के भोपाल प्रभारी जावेद खान ने बताया कि 15 अगस्त को बोट क्लब से लालघाटी तक रैली निकाली जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में टैक्सी चालक शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि रैली शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से निकाली जाएगी। यूनियन का कहना है कि आंदोलन के जरिए सरकार तक टैक्सी चालकों की समस्याएं और मांगें पहुंचाई जाएंगी। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही गई है।

मेट्रो एंकर

जीआरपी के मानवीय अभियान को मिली सफलता

2,057 बेसहारा और लावारिस लोगों को परिजनों से मिलाया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के रेलवे स्टेशनों पर बेसहारा, लावारिस और जरूरतमंदों की मदद के लिए राजकीय रेलवे पुलिस ने एक बड़ा मानवीय अभियान चलाया है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर रेलवे यूनिट्स द्वारा चलाए गए इस एक महीने लंबे विशेष अभियान के दौरान कुल 2,057 ऐसे लोगों की पहचान की गई जो स्टेशन परिसरों में भटक रहे थे। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। एडीजी रेलवे राजा बाबू सिंह के निर्देशों पर यह मुहिम 1 जुलाई से 31 जुलाई तक अंजाम दी गई,

जिसके तहत कई बिछड़े हुए नाबालिगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर उनके परिवारों से दोबारा मिलाया गया।

आंकड़ों में जानिए किस वर्ग के कितने लोग आए सामने : जीआरपी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस अभियान में मिले कुल 2,057 लोगों में 1,556 पुरुष, 404 महिलाएं, 39 लड़कियां, 56 लड़के और 2 ट्रांसजेंडर शामिल थे। रेलवे पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए इनमें से 159 लोगों को उनके परिवारों से सकुशल मिला दिया, जबकि 39 बेसहारा लोगों को सुरक्षित शेल्टर होम या नाइट शेल्टर में शिफ्ट किया गया ताकि उन्हें रहने और खाने की दिक्कत न हो।

काउंसलिंग और पुनर्वास पर रहा पूरा जोर : अभियान के दौरान सिर्फ लोगों को चिन्हित करने का काम नहीं हुआ, बल्कि स्टेशन परिसरों में लावारिस घूम रहे लोगों की काउंसलिंग भी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई ऐसे नाबालिग भी मिले जिनका अपहरण हुआ था या जो किन्हीं कारणों से अपने घरों से बिछड़ गए थे। उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाना इस मुहिम का सबसे बड़ा सुखद पहलू रहा।

पीपुल्स यूनिवर्सिटी में हुआ भव्य समापन समारोह : एक महीने तक चले इस सफल ऑपरेशन हमदर्द के समापन पर शुक्रवार को पीपुल्स यूनिवर्सिटी के सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल की मेयर मालती राय, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, यूनिवर्सिटी के कुलपति हरीश राव, एसपी (रेल) इंदौर यशपाल सिंह राजपूत, एसपी (रेल) भोपाल अंकित जायसवाल और वक्ता डॉ. रोहित त्रिवेदी समेत कई दिग्गज अधिकारी मौजूद रहे।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 09 अगस्त 2026

वैलकम बेबी

प्रेग्नेंसी प्लानिंग में सिर्फ सही दिन नहीं, सही तैयारी भी जरूरी

प्रेग्नेंसी प्लान करना सिर्फ फर्टाइल विंडो पहचानने या सही दिन पर संबंध बनाने तक सीमित नहीं है। महिला और पुरुष दोनों की फर्टिलिटी, उम्र, ओव्यूलेशन, एग और स्पर्म की क्वालिटी तथा ओवरऑल हेल्थ इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी प्लान शुरू करने से पहले अपने पीरियड्स पैटर्न को समझना, फर्टाइल विंडो की सही जानकारी रखना और जरूरत के अनुसार डॉक्टर से जरूरी टेस्ट के बारे में सलाह लेना फायदेमंद है। उम्र 35 साल से ज्यादा हो तो केवल कैलेंडर या मोबाइल ऐप पर भरोसा करने के बजाय समय पर एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर है।

प्रेग्नेंसी प्लान करते समय आमतौर पर पूरा ध्यान महिला की फर्टिलिटी पर चला जाता है, जबकि प्रेग्नेंसी के लिए महिला और पुरुष दोनों की रिप्रोडक्टिव हेल्थ महत्वपूर्ण है। महिला में एग की क्वालिटी, ओव्यूलेशन, यूट्रस और फैलोपियन ट्यूब की स्थिति महत्वपूर्ण होती है। वहीं पुरुष में स्पर्म काउंट, स्पर्म की मूवमेंट और क्वालिटी भी प्रेग्नेंसी की संभावना को प्रभावित करती है। इसलिए प्रेग्नेंसी प्लानिंग को दोनों पार्टनर की साझा जिम्मेदारी के तौर पर देखना चाहिए।

उम्र भी फर्टिलिटी का एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। महिलाओं में उम्र बढ़ने के साथ एग की संख्या और क्वालिटी में प्राकृतिक कमी आने लगती है। 35 साल के आसपास यह फैक्टर ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इसका मतलब यह नहीं कि 35 के बाद प्रेग्नेंसी संभव नहीं है, बल्कि यह है कि इस उम्र के बाद प्रेग्नेंसी प्लान करते समय जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लेने में ज्यादा देरी नहीं करनी चाहिए।

फर्टाइल विंडो और कैलेंडर

फर्टाइल विंडो वह समय होता है जब प्रेग्नेंसी की संभावना सबसे ज्यादा होती है। सामान्य तौर पर इसमें ओव्यूलेशन से पहले के करीब पांच दिन और ओव्यूलेशन का दिन शामिल माना जाता है। इसी अवधि में प्रेग्नेंसी के चांस सबसे ज्यादा होते हैं। लेकिन यहां एक आम गलतफहमी है कि हर महिला में 14वें दिन ही ओव्यूलेशन होता है। ऐसा जरूरी नहीं है। ओव्यूलेशन का समय हर महिला में अलग हो सकता है और यह मासिक चक्र की लंबाई के अनुसार बदलता है। आमतौर पर ओव्यूलेशन अगली पीरियड डेट से करीब 14 दिन पहले होता है। इसलिए सिर्फ कैलेंडर में तारीख गिनकर फर्टाइल विंडो तय करना हर महिला के लिए सही तरीका नहीं है।

पीरियड्स अनियमित ज्यादा ध्यान

अगर पीरियड्स अनियमित हैं तो हर महीने ओव्यूलेशन एक ही तारीख पर हो, यह जरूरी नहीं। पीसीओएस जैसी स्थिति में भी ओव्यूलेशन अनियमित हो सकता है। ऐसे में मोबाइल ऐप से मिली फर्टाइल डेट को अंतिम सच मानना ठीक नहीं होगा। ओव्यूलेशन प्रेडिक्टर किट, सर्वाइकल म्यूकस में होने वाले बदलाव और बेसल बॉडी टेंपरेचर को ट्रैक करना कुछ महिलाओं के लिए उपयोगी हो सकता है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर अल्ट्रासाउंड के जरिए ओव्यूलेशन की निगरानी भी कर सकते हैं।

गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना बेहतर: प्रेग्नेंसी प्लान करते ही ढेर सारे फर्टिलिटी टेस्ट कराने की जरूरत हर कपल को नहीं होती। कौन-सा टेस्ट जरूरी है, यह उम्र, मेडिकल हिस्ट्री, पीरियड्स की नियमितता और प्रेग्नेंसी में आ रही परेशानी पर निर्भर करता है। महिलाओं में जरूरत के अनुसार एएमएच, एफएसएच, एलएच, एस्ट्राडियोल, टीएसएच और प्रोलैक्टिन जैसे हार्मोन टेस्ट किए जा सकते हैं। पेल्विक अल्ट्रासाउंड से यूट्रस और ओवरीज की स्थिति के बारे में जानकारी मिल सकती है। फैलोपियन ट्यूब में ब्लॉकेज है या नहीं, यह देखने के लिए कुछ मामलों में एचएसजी जैसी जांच की जाती है। लेकिन इन टेस्ट को अपनी तरफ से कराने के बजाय डॉक्टर की सलाह के अनुसार कराना ज्यादा बेहतर है। हर रिपोर्ट को फर्टिलिटी का अंतिम फैसला मानना भी सही नहीं है।

अनावश्यक टेस्ट और तनाव से बचें

प्रेग्नेंसी प्लानिंग के दौरान सबसे जरूरी है कि किसी एक रिपोर्ट, मोबाइल ऐप या इंटरनेट की सलाह को अंतिम सच न मानें। हर महिला और हर कपल की फर्टिलिटी अलग होती है। फर्टाइल विंडो की जानकारी प्रेग्नेंसी के चांस बढ़ाने में मदद कर सकती है, लेकिन यह किसी तरह की गारंटी नहीं है। इसी तरह कोई एक फर्टिलिटी टेस्ट पूरी तस्वीर नहीं बता सकता। प्रेग्नेंसी प्लानिंग सिर्फ सही दिन पहचानने का मामला नहीं है। यह उम्र, ओव्यूलेशन, एग और स्पर्म की क्वालिटी, लाइफस्टाइल और ओवरऑल हेल्थ से जुड़ा पूरा प्रोसेस है। सही जानकारी और सही समय पर एक्सपर्ट की सलाह इस सफर को ज्यादा सुरक्षित, समझदारी भरा और तनावमुक्त बना सकती है।

पुरुष की फर्टिलिटी नजरअंदाज न करें

अगर प्रेग्नेंसी प्लान करने के बावजूद लंबे समय तक सफलता नहीं मिल रही है तो सिर्फ महिला की जांच कराना सही तरीका नहीं है। पुरुष पार्टनर की फर्टिलिटी भी जांची जानी चाहिए। पुरुषों में शुरुआती और महत्वपूर्ण जांचों में सीमेन एनालिसिस शामिल है। इसमें स्पर्म काउंट, स्पर्म की मूवमेंट यानी मोटिलिटी और स्पर्म की बनावट यानी मॉर्फोलॉजी जैसी चीजें देखी जाती हैं। लाइफस्टाइल का भी स्पर्म हेल्थ पर असर पड़ सकता है। स्मोकिंग, ज्यादा शराब, मोटापा, लगातार तनाव, खराब नींद और कुछ परिस्थितियों में ज्यादा गर्मी के संपर्क में रहना स्पर्म क्वालिटी को प्रभावित कर सकता है। इसलिए प्रेग्नेंसी प्लानिंग के दौरान पुरुष पार्टनर को भी अपनी लाइफस्टाइल पर ध्यान देना चाहिए। संतुलित वजन, नियमित एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद और नशे से दूरी रिप्रोडक्टिव हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकती है।

जीवन ज्योति

सहिष्णुता कमजोरी नहीं संस्कार और आत्मबल है

रमेशभाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

सहिष्णुता मनुष्य के चरित्र का वह गुण है, जो उसे केवल अच्छा मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाता है। जीवन में सुख-दुख, अनुकूलता-प्रतिकूलता, सम्मान-अपमान और सहमति-असहमति आती-जाती रहती हैं। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने मन का संतुलन बनाए रखता है, वही वास्तव में जीवन को समझ पाया है। सहिष्णुता का अर्थ यह नहीं कि अन्याय को सहन किया जाए या असत्य के सामने मौन रहा जाए। सहिष्णुता का अर्थ है–असहमति के बीच भी मन में वैर न आने देना। सामने वाला अलग सोचता है तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह शत्रु है। उसके विचार अलग हैं, उसका अनुभव अलग है, उसकी दृष्टि अलग है। मनुष्य को उसकी भिन्नता के साथ स्वीकार करना ही सहिष्णुता है। आज संसार में संघर्ष का एक बड़ा कारण यह है कि हर व्यक्ति चाहता है कि दूसरा उसकी बात माने। सुनने की इच्छा कम होती जा रही है और अपनी बात मनवाने की इच्छा बढ़ती जा रही है। परिवार में पति चाहता है कि पत्नी उसे समझे, पत्नी चाहती है कि पति उसे समझे; माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे उनकी बात मानें और बच्चे चाहते हैं कि माता-पिता उन्हें समझें। समस्या वहीं पैदा होती है, जहां समझने की जगह केवल मनवाने की इच्छा आ जाती है। भारतीय संस्कृति ने सदियों से कहा है–'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति।' सत्य एक हो सकता है, लेकिन उसे देखने और कहने के अनेक मार्ग हो सकते हैं। यही विचार सहिष्णुता की आधारभूमि है।

सहिष्णु व्यक्ति कमजोर नहीं होता। क्रोध करना आसान है, क्षमा करना कठिन। प्रतिक्रिया देना आसान है, धैर्य रखना कठिन। अपमान का उत्तर अपमान से देना आसान है, लेकिन अपमान के बाद भी मन को शांत रखना आत्मबल मांगता है। सच्ची सहिष्णुता वहीं दिखाई देती है, जहां अधिकार होने के बावजूद व्यक्ति संयम चुनता है। किसी ने कटु शब्द कहे और उत्तर में वही कटुता लौटा देना कौन-सी बड़ी बात है? बड़ी बात तब है जब मनुष्य यह तय करे कि दूसरे की कटुता उसके भीतर की शांति को नष्ट नहीं करेगी।

इसका अर्थ यह भी नहीं कि जीवन में अन्याय देखकर चुप रहा जाए। धर्म हमेशा सत्य के साथ खड़े होने की शिक्षा देता है। गलत को गलत कहना आवश्यक है, लेकिन गलत का विरोध करते-करते स्वयं भीतर से गलत हो जाना उचित नहीं। विचार का विरोध हो सकता है, व्यक्ति से घृणा आवश्यक नहीं। आज परिवारों में छोटी-छोटी बातों पर संबंध टूट रहे हैं। समाज में मतभेद वैमनस्य में बदल रहे हैं और सार्वजनिक जीवन में असहमति को दुश्मनी समझ लिया जाता है। ऐसे समय में सहिष्णुता केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, सामाजिक आवश्यकता बन गई है।

बच्चों को भी यह सिखाना होगा कि हर प्रतियोगिता में जीतना जरूरी नहीं, हर बहस में सही सिद्ध होना जरूरी नहीं और हर असहमति का उत्तर देना भी जरूरी नहीं। कभी-कभी चुप रह जाना पराजय नहीं, बल्कि विवेक होता है। जिस मनुष्य के भीतर सहिष्णुता आती है, उसके भीतर करुणा भी आती है। वह दूसरों की परिस्थितियों को समझने लगता है। उसे पता चलता है कि हर व्यक्ति अपने भीतर कोई न कोई संघर्ष लेकर चल रहा है। इसलिए किसी के व्यवहार पर तुरंत निर्णय देने के बजाय उसके दुख को समझने का प्रयास करना चाहिए। धर्म का सार केवल पूजा, व्रत और अनुष्ठान में नहीं है। धर्म तब जीवन में उतरता है, जब मनुष्य दूसरे के लिए अपने भीतर स्थान बनाता है। जब वह कहता है–तुम मुझसे अलग हो सकते हो, लेकिन इसलिए मेरे लिए पराए नहीं हो।

यही सहिष्णुता है। यही संस्कार है। और यही मनुष्य होने की वास्तविक परीक्षा भी है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 09 से 15 अगस्त तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं। कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ: जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन: मिथुन के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं। युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह: सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है। विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या: कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु: धनु राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: मकर राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ : कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन: मीन राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

अंकित पांडे
व्यंग्यकार

सरकार चल रही है, बस काम थोड़ा धीरे चल रहा है...

सरकार ने आम आदमी की सुविधा के लिए बहुत कुछ किया है। अब उसे सरकारी दफ्तर में काम कराने के लिए पहले जितनी मेहनत करनी पड़ती थी, उतनी नहीं करनी पड़ती। पहले वह एक बाबू की मेज तक पहुंचता था, अब उसे पांच मेजों तक पहुंचने की सुविधा मिल गई है। पहले एक चक्कर लगता था, अब कई चक्कर लगाने का लोकतांत्रिक अवसर मिलता है।

कहा जाता है कि सरकार डिजिटल हो गई है। यह बात बिल्कुल सही है। अब आवेदन ऑनलाइन होता है, दस्तावेज ऑनलाइन जमा होते हैं, फीस ऑनलाइन जाती है और अंत में जवाब भी ऑनलाइन ही मिलता है–च्आपका आवेदन संबंधित विभाग को भेज दिया गया है।ज् संबंधित विभाग कौन-सा है, यह जानने के लिए फिर एक आवेदन करना पड़ता है। आम आदमी बड़ा आशावादी जीव है। वह सरकारी दफ्तर में सुबह जाता है तो उसे पूरा विश्वास होता है कि शाम तक उसका काम हो जाएगा। शाम को जब लौटता है तो उसे और बड़ा विश्वास होता है कि कल जरूर हो जाएगा। इसी विश्वास के सहारे कई लोग रिटायर हो जाते हैं। सरकारी व्यवस्था की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यहां किसी काम के लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। फाइल एक मेज से दूसरी मेज पर जाती है। दूसरी से तीसरी पर। तीसरी मेज वाला चौथी मेज वाले से पूछता है। चौथी मेज वाला कहता है–च्साहब से पूछना पड़ेगा।

साहब कहते हैं–नियम देखिए।

नियम देखने पर पता चलता है कि मामला फिर उसी बाबू के पास जाना है। इस पूरी प्रक्रिया में फाइल इतनी यात्रा कर चुकी होती है कि उसे देखकर लगता है, काश सरकार उसे रेल का पास भी दे देती।आम आदमी को अक्सर बताया जाता है कि आपका काम नियम के अनुसार होगा। यह वाक्य सुनते ही उसे राहत मिलती है। फिर उसे पता चलता है कि नियम में काम होने के लिए 11 दस्तावेज चाहिए। वह दस दस्तावेज लेकर पहुंचता है तो पता चलता है कि ग्यारहवां दस्तावेज वही है, जिसके लिए वह आवेदन करने आया था।

फिर उसे सलाह दी जाती है–पहले वह बनवा लीजिए। वह पूछता है–वह कैसे बनेगा?

जवाब आता है–उसके लिए यही आवेदन करना पड़ेगा।

यही वह क्षण होता है जब आम आदमी को लोकतंत्र की गहराई समझ में आती है।

सरकारी दफ्तरों में आज नहीं, कल एक तारीख नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। कल आएंगे तो कहा जाएगा–च्साहब मीटिंग में हैं। अगले दिन जाएंगे तो पता चलेगा–साहब दौरे पर हैं। फिर लौटेंगे तो–फाइल ऊपर गई है। पूछेंगे कि ऊपर कहां गई है तो जवाब मिलेगा–ऊपर।

सरकार में ऊपर कोई दिशा नहीं, एक संस्था है। आम आदमी की सबसे बड़ी भूल यह है कि वह सोचता है कि उसका काम जरूरी है। सरकारी व्यवस्था उसे धीरे-धीरे सिखाती है कि काम जरूरी हो सकता है, लेकिन उससे पहले प्रक्रिया जरूरी है। प्रक्रिया से पहले कागज जरूरी है। कागज से पहले सत्यापन जरूरी है और सत्यापन के बाद फिर वही कागज जरूरी है।

इधर सरकार लगातार कहती है कि व्यवस्था पारदर्शी हो रही है। सचमुच हो रही है। अब आम आदमी साफ-साफ देख सकता है कि उसका काम कहां अटका हुआ है। पोर्टल पर लिखा रहता है–प्रक्रिया में। यह प्रक्रिया में बड़ा अद्भुत शब्द है। इसमें न हां है, न ना। न काम हुआ है, न रुका है। बस प्रक्रिया में है। जैसे देश का हर काम किसी अदृश्य ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ा हो।

फिर भी आम आदमी उम्मीद नहीं छोड़ता। वह अगली सुबह फिर सरकारी दफ्तर पहुंचता है। हाथ में फाइल होती है, चेहरे पर उम्मीद और जेब में सारे दस्तावेज।

उसे देखकर बाबू मुस्कुराता है और कहता है–अरे, आप फिर आ गए?

आम आदमी भी मुस्कुराता है–जी, काम हो गया?

बाबू कहता है–अभी तो नहीं।

और यही हमारी व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि है–सरकार चल रही है, व्यवस्था चल रही है, फाइल चल रही है... बस आम आदमी ही चक्कर काट रहा है।

नॉलेज

दुर्लभ है मैलिनिस्टिक प्रजाति, एक बाघिन की मौत से चिंतित टाइगर लवर्स

ओडिशा के सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में एक ऐसी घटना हुई, जिसने दुनिया भर के पशु प्रेमियों को निराश करते हुए ध्यान आकर्षित किया है। यहां मयूरभंज जिले के सिमिलिपाल में एक दुर्लभ मेलैनिस्टिक बाघिन मृत पाई गई है। इस बाघ के शरीर पर काली धारियां इतनी घनी होती हैं कि उसका रंग लगभग काला दिखाई देता है।

सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के क्षेत्र डायरेक्टर प्रकाश चंद्र गोगिनेनीके अनुसार सिमिलिपाल पहाड़ियों में एक उच्च ऊंचाई वाली घाटी के मुख्य क्षेत्र बारहाकामुडा में देव नदी के पास पांच साल की बाघिन का शव पाया गया है। उन्होंने कहा,'6 अगस्त की शाम को बाघिन की मौत की सूचना मिलने पर हमने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। उसकी मौत कुछ ही समय पहले हुई थी और उस पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं थे। 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रोटोकॉल के तहत अगले दिन डिटेल जांच की गई और शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। उन्होंने बताया कि ऊतक संबंधी जांच के लिए नमूने एकत्र कर भुवनेश्वर स्थित ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

मेलैनिस्टिक बाघों को ब्लैक टाइगर या स्यूडो मेलैनिस्टिक टाइगर्स के तौर पर जाना जाता है। इनके शरीर पर गहरे रंग की विशिष्ट धारियां होती हैं।सिमिलिपाल को इनका गढ़ माना जाता है। यह धरती पर मौजूद जंगली बिल्ली की सबसे दुर्लभ प्रजातियों में से एक हैं। उनकी धारियां असामान्य रूप से मोटी और आपस में जुड़ी हुई और घनी होती हैं, जो पीले-भूरे रंग की बैकग्राउंड पर भारी रूप से फैली होती हैं, जिससे उनके शरीर का बड़ा हिस्सा पिच ब्लैक दिखाई देता है। भारत के ओडिशा में स्थित सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व दुनिया के इकलौते ऐसे घर के रूप में प्रसिद्ध है, जहां स्यूडो-मेलैनिस्टिक बाघों की एक डॉक्युमेंटेड और प्रजनन करने वाली जंगली आबादी मौजूद है।

इन बाघों की संख्या बेहद कम आंकी जाती है। कुछ समय पहले ही बड़े स्तर पर चलाए गए कैमरा-ट्रैप अनुमान के अनुसार सिमिलापाल में बाघों की कुल संख्या लगभग 35 तक है। इसमें 17 नर, 18 मादा और करीब 19 स्यूडो-मेलैनिस्टिक वेरिएंट कई शावकों के साथ शामिल हैं।

न्यूज विंडो

हर घर तिरंगा फहराने के लिए 9 से 17 अगस्त तक होंगे आयोजन

सिरोंज। स्वतंत्रता दिवस आयोजन को आम नागरिकों एवं प्रशासनिक अमले के साथ भव्यता के साथ मनाए जाने तथा हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से प्रत्येक घर परिवार पर तिरंगा लगवाए जाने के लिए जन जागरूकता को लेकर आजीविका मिशन भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया। सिरोंज लटेरी विधानसभा के विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्यातिथ्य में आयोजित बैठक में उक्त कार्यक्रमों को सम्मान एवं भव्यता के साथ मनाए जाने को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि भारत सरकार एवं संस्कृति मंत्रालय वर्तमान में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्सव मना रही है। 9 अगस्त से 17 अगस्त हम सभी को जन जागरूकता अभियान चलाकर अपने राष्ट्र के आन बान शान के गौरव के प्रतीक तिरंगा झंडा प्रत्येक घर पर फहराने को लेकर जन जागरण के अभियान चलाना है। इस अवसर पर तहसीलदार अभिषेक पांडे ने जानकारी देते हुए कहा कि हर घर पर तिरंगा लगे ऐसा हम सबका प्रयास है। जागरूकता एवं प्रचार प्रसार के लिए सभी स्तर पर रंगोली,रैली तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से इसके लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। नागरिकों को स्वसहायता समूहों एवं उचित मूल्य की दुकानों से झण्डा वितरण कराने की योजना है।

चौधरी शुभम् साहू वेल्फेयर फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों शिक्षण सामग्री वितरित की

नरसिंहपुर। गत दिवस चौधरी शुभम् साहू वेल्फेयर फाउंडेशन द्वारा शासकीय स्कूल पिपरिया में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री मध्यप्रदेश शासन जालम सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष रविंद्र पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष ठाकुर सिंह पटेल की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों द्वारा स्व. चौधरी शुभम् साहू की जन्मजयंती के अवसर पर मूर्ति में माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उसके साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर रामजी पटेल, नीलेश शर्मा, हेमराज यादव, मूरत साहू, राजमोहन पाटकर, शंकर लाल साहू, डॉ. एस. के. पाल, नारायण साहू (प्राचार्य), बलिराम यादव, शंकर यादव, चंदू यादव , चैधरी शुभम साहू, फाउंडेशन के संस्थापक सोनू साहू, भगवत मेहरा, सत्यम सेन, सुनील मालवीय, योगेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 नए 4जी मोबाइल टावरों की सौगात पर भाजपा नेताओं ने जताया आभार

शहडोल। शहडोल संसदीय क्षेत्र के अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिलों में 20 नए 4जी मोबाइल टावर स्थापित किए जाने की पहल पर भाजपा नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार एवं सांसद हिमाद्री सिंह के प्रति आभार जताया है। तरुण शर्मा, उमरिया जिले से भाजपा जिला अध्यक्ष अग्रवाल तथा शहडोल जिले से भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चापड़ा ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का विस्तार आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। नेताओं ने कहा कि 4जी मोबाइल टावर स्थापित होने से दूरस्थ गांवों के लोगों को बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा मिल सकेगी। इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों, युवाओं और आम ग्रामीणों को मिलेगा। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं और स्वास्थ्य संबंधी ऑनलाइन सुविधाओं तक पहुंच भी आसान होगी। उन्होंने कहा कि दस्तावेज के अनुसार अनूपपुर में 4, शहडोल में 7 और उमरिया जिले में 9 नई साइटों पर मोबाइल टावर प्रस्तावित हैं। इन साइटों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य आगे बढ़ने की उम्मीद है। भाजपा नेताओं ने कहा कि आज मोबाइल नेटवर्क केवल बातचीत का माध्यम नहीं है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, व्यापार और सरकारी योजनाओं से जुड़ने का महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है। ऐसे में ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में 4त नेटवर्क का विस्तार विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है।

गांव की बेटियों को शिक्षा सामग्री के साथ सुरक्षा और स्वच्छता की सीख

नर्मदापुरम। अपराध रोकने के साथ अब पुलिस गांवों की बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में भी भागीदारी निभा रही है। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा के नेतृत्व में नर्मदापुरम पुलिस ने सामाजिक संस्था समर्पण के सहयोग से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में विशेष अभियान शुरू किया है। इसमें बच्चों को स्कूल बैग और करीब एक साल की जरूरी शिक्षा सामग्री दी जा रही है। वहीं किशोरियों को कपड़े से बने पुन-उपयोग योग्य सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के साथ मासिक धर्म स्वच्छता और बालिका सुरक्षा की जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत गुड टच-बैड टच, छेड़छाड़, महिला अपराध, व्यक्तिगत सुरक्षा और नशे से होने वाले नुकसान के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का फोकस केसला, बाबई सहित जिले के अन्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों पर है। इसी अभियान के तहत बाबई थाना क्षेत्र के सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एसडीओपी संजू सिंह चौहान और थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर मौजूद रहीं। अधिकारियों ने बच्चों और किशोरियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षित-असुरक्षित व्यवहार की पहचान, छेड़छाड़ और महिला अपराध से बचाव तथा जरूरत पड़ने पर सहायता लेने के बारे में समझाया। बच्चों को 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में करीब 450 बच्चों को स्कूल बैग और शिक्षा सामग्री तथा 150 किशोरियों को कपड़े से बने पुन-उपयोग योग्य सैनिटरी पैड दिए गए।

सीधी के मधुरी गांव का मामला... 18 हजार रुपये बकाया होने का आरोप लगाया

मजदूर की संदिग्ध मौत के बाद बवाल, परिजनों ने घेरा मकान; पत्नी-बेटी घर में कैद, पहुंची पुलिस

सीधी। दोपहर मेट्रो

जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मधुरी में राजमिस्त्री दिनेश साकेत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया। वहीं, मृतक के परिजन और रिश्तेदार करीब 100 की संख्या में पहुंचकर लक्ष्मीकांत पटेल के घर का घेराव कर दिया। अचानक बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से मौके पर स्थिति बिगड़ने लगी, जिसके बाद जमोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाने का प्रयास शुरू किया। मिली जानकारी के मुताबिक, दिनेश साकेत शनिवार रात करीब 10 बजे ग्राम मधुरी निवासी लक्ष्मीकांत पटेल के घर गया था। जहां रात में उसी मकान में उसकी लाश मिली। वहीं, मृतक की पत्नी निर्मला साकेत का आरोप है कि उनके पति लक्ष्मीकांत पटेल के यहां राजमिस्त्री का काम करते थे और उनकी 18 हजार रुपये से अधिक की मजदूरी बाकी थी। मजदूरी मांगने के लिए ही दिनेश के वहां जाने की बात सामने आई है। रविवार सुबह करीब 10 बजे मृतक के परिजन और रिश्तेदार बड़ी संख्या में लक्ष्मीकांत पटेल के घर पहुंच गए। जहां करीब 100 लोगों के पहुंचने के बाद उन्होंने मकान को चारों तरफ से घेर लिया। बताया जा रहा है कि इस दौरान लक्ष्मीकांत पटेल की पत्नी और बेटी घर के अंदर ही रह गईं और बाहर बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने से वे घर से बाहर नहीं निकल सकीं।

बता दें कि ,मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को मकान से दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस द्वारा परिजनों को समझाइश दी जा रही है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखें और जांच पूरी होने दें।

मकान मालिक ने छत से गिरने की बताई वजह

वहीं, इस मामले में लक्ष्मीकांत पटेल का कहना है कि शनिवार रात वह और दिनेश साकेत दूसरी मंजिल की छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली चली गई। जहां दिनेश नीचे उतरने लगा, लेकिन सीढ़ियों पर रेलिंग नहीं होने के कारण वह नीचे गिर गया। लक्ष्मीकांत के मुताबिक, गिरने के बाद दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई और उन्होंने ही पुलिस को सूचना दी।

पीएम रिपोर्ट आने पर ही हो सकेगा खुलासा

अब जमोंड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। जहां मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर लक्ष्मीकांत पटेल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। शव को रविवार सुबह करीब 10 बजे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

212 किलो संदिग्ध घी जब्त, लिए सैंपल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शनिवार को इटारसी में बड़ी कार्रवाई की। चावल लाइन क्षेत्र स्थित दो प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर टीम ने संदेह के आधार पर घी के पांच नमूने जांच के लिए लिए। वहीं एहतियात के तौर पर करीब 212 किलोग्राम घी जब्त किया गया।

नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी.एस. धाकड़ और कमलेश एस. दियावार ने चावल लाइन स्थित मेसर्स श्री नारायण गौरीशंकर माहेश्वरी एवं बड़कुल ब्रदर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में रखे घी की गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर संबंधित उत्पादों के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ब्रजवासी घी और डेयरी बेस्ट घी के कुल पांच नमूने जांच के लिए लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही घी की गुणवत्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। संदिग्ध घी उपभोक्ताओं तक न पहुंचे, इसे देखते हुए विभाग ने जांच रिपोर्ट आने तक करीब 212 किलो घी जब्त कर लिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई जनहित में एहतियाती कदम के रूप में की गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला जांच में यदि नमूने निर्धारित खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

झमाझम बारिश से फसलों को मिली संजीवनी, किसानों के चेहरे खिले

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

लंबे इंतजार के बाद क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश ने किसानों के चेहरों पर एक बार फिर मुस्कान लौटा दी है। बारिश के लिए आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे किसानों को राहत मिली है। खेतों में पानी पहुंचने से फसलों में नई जान दिखाई देने लगी है और गांवों में कृषि कार्यों को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। पिछले दिनों बारिश का दौर कमजोर पड़ने से किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही थी। कई स्थानों पर खेतों में नमी कम होने लगी थी और सोयाबीन, मूंग तथा उड़द की फसलें बारिश का इंतजार कर रही थीं। पर्याप्त बारिश नहीं होने की स्थिति में किसानों को उत्पादन प्रभावित होने की चिंता सताने लगी थी। ऐसे में हुई बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। सोयाबीन सहित अन्य फसल को इस बारिश से विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं मूंग और उड़द की फसलों के लिए भी बारिश को राहत भरा माना जा रहा है। जिन खेतों में नमी कम होने लगी थी, वहां अब फसलों को आवश्यक पानी मिल गया है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश फसलों के लिए बेहद जरूरी थी। यदि बारिश में और देरी होती तो फसलों पर विपरीत असर पड़ सकता था। बारिश के बाद अब किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद बंधी है। कृषि कार्यों के लिए मजदूरों की मांग भी बढ़ने लगी है।

बारिश ने किसानों की सबसे बड़ी चिंता फिलहाल कम कर दी है। किसान अब फसलों की निगरानी के साथ-साथ आगामी बारिश पर भी नजर बनाए हुए हैं। किसानों का कहना है कि फसल के महत्वपूर्ण समय पर नियमित अंतराल में बारिश होती रही तो इस बार उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है।

मप्र में टॉप-20 स्वच्छ स्कूलों में नर्मदापुरम का मॉडल स्कूल, 15 अगस्त को मिलेगा सम्मान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के टॉप-20 स्कूलों में नर्मदापुरम जिले के तवानगर स्थित शासकीय हायर सेकंडरी मॉडल स्कूल (आदर्श आवासीय विद्यालय) ने जगह बनाई है। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी सूची में स्कूल का चयन परिसर की स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, हरित वातावरण और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति बढ़ती जागरूकता के आधार पर किया गया है। चयनित स्कूलों के संस्था प्रमुखों को स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। तवानगर का यह आदर्श आवासीय विद्यालय करीब 10 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और कवर्ड कैंपस में संचालित होता है। यहां अलग-अलग शहरों और जिलों से आए करीब 245 विद्यार्थी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

विद्यालय में कक्षाओं, गलियारों, शौचालयों और खेल मैदान की नियमित सफाई की व्यवस्था है। परिसर में सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग एकत्र करने के लिए कचरा पेटियां रखी गई हैं। विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालते हैं। विद्यालय परिसर में पौधरोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल की जाती है। इससे स्कूल का परिसर हरा-भरा नजर आता है। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छ वातावरण के महत्व की जानकारी भी नियमित रूप से दी जाती है। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता और सहभागिता बढ़ी है।

जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी ने कहा कि मॉडल स्कूल का प्रदेश के 20 स्वच्छ स्कूलों में शामिल होना विभाग के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में पूर्व प्राचार्य एवं वर्तमान संभागीय उपायुक्त सिद्धार्थ मित्रा, प्रभारी प्राचार्य दीपक सोनी, राम बाबू, जिला शिक्षा केंद्र के इंजीनियर दीपक वर्मा, बीएससी नरेश अहिरवार, प्रवीण यादव, संस्था अधीक्षक भूपेंद्र साहू सहित स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

कानून की जानकारी ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी, छात्राओं को बताए उनके अधिकार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति गंजबासौदा के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को अनुसूचित जाति-जनजाति सीनियर कन्या छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तृतीय जिला न्यायाधीश जफर इकबाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में न्यायाधीश ने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है। विशेषकर बालिकाओं को अपने अधिकारों और कानून में उपलब्ध सुरक्षा प्रावधानों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे उचित कदम उठा सकें। शिविर में साइबर अपराध और उससे बचाव के उपायों पर विशेष रूप से जानकारी दी गई। छात्राओं को मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, किसी व्यक्ति के साथ ओटीपी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने सहित साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए गए। न्यायाधीश ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय इसकी जानकारी संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति अथवा सक्षम अधिकारी को देना चाहिए। निःशुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी शिविर में छात्राओं को निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में भी बताया गया। न्यायाधीश ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति आर्थिक कारणों से न्याय पाने से वंचित न रहे, इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही शिक्षा के अधिकार से संबंधित प्रावधानों की जानकारी भी छात्राओं को दी गई। कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती मनीषा शर्मा, पैरालीगल वालंटियर (पीएलवी) आरती कुशवाह, पीएलवी सुनील राजपूत सहित छात्रावास की बालिकाएं उपस्थित रहीं।

मेट्रो एंकर — खेड़ापति गौधाम में चल रहे भगवान शिव के 84 अवतार चरित्र वर्णन महोत्सव

शिव की निंदा सुनने से किया इनकार, भक्ति की परीक्षा में खरे उतरे उपमन्यु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रावण मास के अवसर पर श्री राम-जानकी मंदिर, खेड़ापति गौधाम में चल रहे 27 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भगवान शिव के 84 अवतार चरित्र वर्णन महोत्सव में उपमन्यु चरित्र का वर्णन किया गया। कथा वाचक पं. धर्मेन्द्र भार्गव ने कहा कि भगवान शिव अपने भक्तों की परीक्षा लेकर उनकी भक्ति को दृढ़ करते हैं। निष्कपट श्रद्धा और सच्ची तपस्या कभी व्यर्थ नहीं जाती।

कथा में बताया गया कि बालक उपमन्यु अपनी माता के साथ मामा के घर रहते थे। एक दिन उन्होंने दूध पीने की इच्छा जताई। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि उन्हें सहज रूप से दूध मिल सके। माता ने किसी तरह कृत्रिम दूध तैयार कर उन्हें दिया, लेकिन स्वाद पसंद नहीं आने पर उपमन्यु ने वास्तविक दूध की मांग की। माता ने समझाया कि भगवान शिव की कृपा से ही उनकी यह इच्छा पूरी हो सकती है। माता की बात से प्रभावित होकर उपमन्यु ने भगवान शिव की आराधना का संकल्प लिया। वे हिमालय पहुंचे और मिट्टी का शिवलिंग स्थापित कर पंचाक्षर मंत्र ॐ नमः शिवाय का जाप करते हुए कठोर तपस्या करने लगे। उनकी तपस्या से प्रसन्न होने के बजाय भगवान शिव ने पहले उनकी भक्ति की परीक्षा लेने का निर्णय किया। उपमन्यु की परीक्षा लेने भगवान शिव इन्द्र का रूप धारण कर उनके सामने प्रकट हुए और वरदान देने की बात कही। उपमन्यु ने भगवान शिव के प्रति अटूट भक्ति का वर मांगा। इस पर इन्द्र रूपधारी शिव ने भगवान शिव के प्रति अपमानजनक बातें कहीं। भगवान शिव की निंदा सुनते ही उपमन्यु ने वरदान लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वे अपने आराध्य की निंदा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे। उपमन्यु की इस अडिग आस्था से भगवान शिव प्रसन्न हो गए। उपमन्यु की दृढ़ भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव माता पार्वती सहित अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुए और उन्हें दर्शन दिए। भगवान शिव ने उपमन्यु को क्षीरसागर के समान दूध, अक्षय यौवन, अमरत्व, यश, ज्ञान, तेज और अटूट शिवभक्ति सहित अनेक दिव्य वरदान प्रदान किए। भगवान ने उपमन्यु को पुत्रवत स्नेह भी दिया। पं. भार्गव ने कहा कि उपमन्यु का चरित्र भक्तों को अडिग श्रद्धा और विश्वास का संदेश देता है। भक्ति में उम्र नहीं, भावना और विश्वास महत्वपूर्ण हैं। सच्चे मन से की गई साधना और आराध्य के प्रति अटूट विश्वास भक्त को निश्चित रूप से भगवान की कृपा तक पहुंचाता है।

ड्यूटी के दौरान गोली चलाने पर FIR नहीं, पहले होगी मजिस्ट्रियल जांच

तेंदूखेड़ा समेत वन क्षेत्रों के कर्मचारियों को राहत, गोली चलाने पर पहले होगी जांच

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार ने वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में तैनात वनकर्मियों को महत्वपूर्ण कानूनी राहत देते हुए ड्यूटी के दौरान हथियार चलाने की घटनाओं को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। सरकार द्वारा 7 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार अब वनकर्मी द्वारा ड्यूटी के दौरान गोली चलाए जाने की स्थिति में सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पहले यह जांच की जाएगी कि हथियार का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में और किस उद्देश्य से किया गया था।

नई व्यवस्था के तहत हथियार चलाने की प्रत्येक घटना की जांच संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक दंडाधिकारी द्वारा कराई जाएगी। मजिस्ट्रियल जांच में यह देखा जाएगा कि वनकर्मी ने अपनी ड्यूटी के दौरान हथियार का इस्तेमाल करना आवश्यक समझते हुए किया था या नहीं तथा उसका उपयोग परिस्थितियों के अनुरूप उचित था या नहीं। यदि जांच में हथियार का इस्तेमाल आवश्यक एवं उचित पाया जाता है और इसमें किसी प्रकार की दुर्भावना सामने नहीं आती है तो संबंधित वनकर्मी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

वहीं यदि जांच में हथियार के इस्तेमाल को अनावश्यक, अनुचित या दुर्भावनापूर्ण पाया जाता है, तो जांच रिपोर्ट राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के बाद ही पुलिस को संबंधित वनकर्मी के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई या गिरफ्तारी की अनुमति होगी।

सरकार का मानना है कि जंगलों, वनभूमि, वन संपदा और वन्यजीवों की सुरक्षा के दौरान वनकर्मियों को कई बार गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। अवैध कटाई, वन्यजीवों के शिकार तथा तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने के दौरान कई बार वनकर्मियों को अपनी सुरक्षा और सरकारी संपत्ति की रक्षा के लिए हथियार का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। ऐसे में ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले वनकर्मियों को अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचाना आवश्यक है। यह निर्णय वन विभाग के मैदानी अमले के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तेंदूखेड़ा सहित वन क्षेत्र से जुड़े इलाकों में वनकर्मियों को अक्सर वन अपराधियों और अवैध गतिविधियों का सामना करना पड़ता है। नई व्यवस्था से ड्यूटी के दौरान उचित परिस्थितियों में हथियार का इस्तेमाल करने वाले कर्मचारियों को तत्काल FIR और गिरफ्तारी की चिंता से राहत मिलेगी।

वनकर्मियों द्वारा हथियार के इस्तेमाल के बाद होने वाली कानूनी कार्रवाई का मुद्दा विदिशा जिले के लटेरी गोलीकांड के बाद भी व्यापक चर्चा में आया था। 9 अगस्त 2022 को लटेरी क्षेत्र के खटयापुरा जंगल में लकड़ी तस्करी रोकने गई वन विभाग की टीम और ग्रामीणों के बीच विवाद हुआ था। घटना में आदिवासी युवक चैन सिंह की मौत हुई थी और अन्य लोग घायल हुए थे। इसके बाद तत्कालीन सरकार ने मामले की परिस्थितियों और वनकर्मियों द्वारा बल प्रयोग की उचितता की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग गठित किया था। नई व्यवस्था का उद्देश्य वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों को आवश्यक कानूनी संरक्षण देना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना भी है कि हथियार का दुरुपयोग होने की स्थिति में उचित जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया बनी रहे। वन परीक्षित अधिकारी श्रेयांश जैन का कहना है कि कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि अतिक्रमण रोकने और वन्य जीवों की रक्षा के लिए शास्त्रों का उपयोग करना पड़ता है किंतु पूर्व में हुई कार्रवाइयों को लेकर जो बन कार्यों में निराशा थी उसे देखते हुए सरकार द्वारा एक अच्छा निर्णय लिया गया है और आत्म सुरक्षा एवं वन सुरक्षा के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाइयों के पहले जो न्यायिक जांच होगी। कहीं ना कहीं वन सुरक्षा और वन प्राणियों की सुरक्षा में जिम्मेदारियां बढ़ेंगे शास्त्रों का उपयोग करना पड़ता था। इस संबंध में उपवन मंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने बताया कि शासन ने जो अधिसूचना जारी की है उस वन विभाग के कर्मचारी को सक्रिय रूप से प्रेरित करके बंदूक हथियार से उनकी ऊर्जा में वृद्धि हुई है।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में आज आयोजित होगा विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम

तेंदूखेड़ा। विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से कृषि उपज मंडी प्रांगण तेंदूखेड़ा में आज आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारी संख्या में आदिवासी समाज के साथ अन्य समाज के समाजसेवी भी हिस्सा लेंगे। 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज अपनी रीति रिवाज परंपरा हक अधिकार तथा संवैधानिक अधिकारों को लेकर अपनी आवाज को बुलंद करता है। आदिवासी समाज 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस को एक त्यौहार के रूप में मनाता है कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा में यह कार्यक्रम का चौथा वर्ष है जहां भारी संख्या में आदिवासी समाज एकत्रित होकर जल जंगल जमीन तथा अपनी अधिकारों के लिए एकरूपता तैयार करते हैं। जय आदिवासी युवा शक्ति जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि यह कार्यक्रम जयस एवं सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित किया जाता है कार्यक्रम का यह चौथा वर्ष है जहां आदिवासी समाज ही नहीं बल्कि अन्य समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भी हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाते हैं प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा में संपन्न होगा प्रथम रैली सर्रा से प्रारंभ होकर तारादेही, समनापुर होते हुए तेंदूखेड़ा पहुंचेगी तथा द्वितीय रैली तेजगढ़ कंसा,सांगा होते हुए तेंदूखेड़ा पहुंचेंगे दोनों रैलिया तारादेही चौराहे पर एक एकत्रित होकर नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाली सभी युवा साथी तथा क्षेत्र वासियों से सादर अनुरोध है कि कार्यक्रम में तथा दोनों रैलियों में यातायात व्यवस्था का पालन करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित हों।

सीढ़ियों से गिरने से नहीं हुई थी सावित्री की मौत, पति समेत तीन गिरफ्तार

पन्ना। जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गजंदा में 22 वर्षीय नवविवाहिता सावित्री बाई लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पन्ना पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि नवविवाहिता की मौत सीढ़ियों से गिरने के कारण नहीं, बल्कि गले में फांसी का फंदा लगाकर गला घोंटने से हुई थी। घटना के बाद हत्या को हादसे का रूप देने के लिए सीढ़ियों से गिरने की कहानी गढ़ी गई। पुलिस ने मामले में मृतका के पति जगदीश उर्फ बौरा सहित दादी सास, चाचा ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। 7 जुलाई 2026 को जिला चिकित्सालय कटनी में उपचार के दौरान सावित्री बाई लोधी की मृत्यु की सूचना मिली थी। अस्पताल पुलिस चौकी कटनी में मर्ग कायम कर प्रारंभिक जांच शुरू की गई। शव का पंचनामा तैयार कर चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। प्रारंभिक तौर पर सावित्री की मौत छत की सीढ़ियों से गिरने और सिर में चोट लगने के कारण होना बताया गया था। नवविवाहिता की मौत का मामला होने के कारण मर्ग की अग्रिम जांच की जिम्मेदारी एसडीओपी पवई भावना दांगी को सौंपी गई। एसडीओपी पवई भावना दांगी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नक्शा मौका तैयार कराया और फोटोग्राफ लिए। मृतका के मायके एवं ससुराल पक्ष के लोगों के बयान दर्ज किए गए। घटना के समय आसपास मौजूद दादी सास रमिसिया बाई और चाचा ससुर अम्मू लोधी के कथन भी पुलिस ने दर्ज किए। जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सक ने मृत्यु का संभावित कारण गले पर लिगेचर सामग्री से दबाव पड़ने के कारण दम घुटना बताया। अन्य संभावना से इंकार करने के लिए विसरा सुरक्षित कर एफएसएल सागर भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के संबंध में चिकित्सक से आवश्यक क्यूरी भी कराई गई। इसके बाद पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों, पूरक कथनों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का गहन परीक्षण किया।

महादेवन पिकनिक स्पॉट पर सेल्फी लेने के दौरान हुआ हादसा

बर्थ-डे मनाने गया था ग्रुप, दोस्तों के सामने गहरे पानी में डूबे 2 युवक, मौत

रीवा। दोपहर मेट्रो

रीवा में दोस्त का बर्थ डे मनाने गए दो युवक सेल्फी लेने के दौरान गहरे कुंड में समा गए। घटना के बाद एसडीआरएफ टीम ने सर्चिंग कर दोनों युवकों के शवों को बरामद किया है, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस जांच कर रही है। दोनों युवक अपने अन्य दोस्तों के साथ एक युवक का बर्थ-डे मनाने के लिए महादेवन कुंड पर पहुंचे थे और इसी दौरान सेल्फी लेते वक्त पैर फिसलने से गहरे कुंड में जा गिरे और डूबने से उनकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक मनगवां क्षेत्र से करीब 12 की संख्या में युवक बीते दिन पिकनिक मनाने महादेवन कुंड में गए थे। कुंड में मस्ती कर रहे दो युवक आशीष पिता राजकुमार 18 वर्ष व आशीष पिता सूर्यमणि 17 वर्ष सेल्फी लेने के लिए नीचे उतर गए। वहां पर पत्थर गीला था और उस पर काई भी लगी हुई थी, इस कारण उनका पैर फिसल गया और दोनों कुंड के गहरे पानी में गिर गए।

दोनों युवकों ने कुंड में गिरने के बाद मदद के लिए शोर मचाया, किनारे पर मौजूद अन्य युवकों ने भी शोर मचाया, जिसे सुनकर स्थानीय लोग पहुंच गए। लेकिन कुंड में पानी का बहाव इतना ज्यादा था कि कोई भी दोनों युवकों को बचा नहीं पाया। सूचना मिलने पर पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को सूचना दी, जिसके बाद एसडीआरएफ जवानों ने कुंड में सर्चिंग शुरू की। करीब तीन घंटे बाद दोनों युवकों के शवों को कुंड में बरामद किया गया। रस्सी के सहारे बांधकर उनको ऊपर खींचा गया। घटना की सूचना पर रोते बिखलते परिजन भी महादेवन कुंड पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में पैर फिसलने से हादसे की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी रीना सिंह ने बताया कि कुछ युवक बर्थ डे मनाने के लिए महादेवन कुंड आए थे जिनमें से दो युवक पैर फिसलने से कुंड में समा गए। जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। सर्चिंग के दौरान उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। जांच के बाद ही घटना के कारण सामने आ पाएंगे।

आए दिन रहती है हादसे की आशंका

महादेवन कुंड को प्रशासन पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने के लिए चिंहित कर चुका है। इसके बाद भी यहां पर सुरक्षा इंतजाम शून्य हैं। न तो रेलिंग लगी है और न ही खतरों से पर्यटकों को सचेत करने के लिए कोई कर्मचारी मौजूद रहता है। अनजाने में लोग खतरनाक स्थानों में चले जाते हैं और हादसे का शिकार होते हैं।

नगर में फिर जाम, खाद-कूपन को लेकर किसानों ने जताई नाराजगी, एसडीएम के आश्वासन पर खुला

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

खाद और कूपन के लिए लगातार परेशान हो रहे किसानों ने एक बार फिर जबलपुर-दमोह मार्ग पर जाम लगा दिया। सुबह करीब 9 बजे किसानों ने उसी स्थान पर सड़क जाम किया, जहां कुछ दिन पहले भी खाद की समस्या को लेकर जाम लगाया गया था। जाम के कारण करीब 45 मिनट तक मार्ग पर वाहनों के पहिए थमे रहे। इससे मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों एवं वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलने पर एसडीएम सीजी गोस्वामी मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि पूर्व में जारी किए गए कूपन वाले किसानों को पहले खाद उपलब्ध कराया जाएगा तथा नए कूपन भी तहसील कार्यालय से वितरित किए जाएंगे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने जाम समाप्त कर दिया और सभी किसान तहसील कार्यालय पहुंच गए। तहसील कार्यालय में शनिवार को करीब 250 नए कूपन जारी किए गए। एसडीएम ने भी किसानों को कूपन बाटे इन कूपनधारी किसानों को मंगलवार को खाद उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं पूर्व में जारी कूपन वाले करीब 250 किसानों को शनिवार को ही खाद दिलाया गया। प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को देखते हुए खाद वितरण की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें खाद के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने बताया कि गुरुवार को करीब 600 कूपन वितरित किए गए थे, लेकिन खाद का ट्रक विलंब से पहुंचने के कारण शेष किसानों को उस दिन खाद नहीं मिल सकी थी। ऐसे किसानों को शनिवार को खाद उपलब्ध कराई जा रही है। शनिवार को जारी किए गए नए कूपन वाले किसानों को मंगलवार को डबल लॉक एवं निजी खाद दुकानों से खाद उपलब्ध कराई जाएगी। एसडीएम ने बताया कि निजी खाद दुकानों पर भी किसानों को निर्धारित शासकीय दर पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक दुकान पर दो-दो पटवारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। यदि किसी निजी दुकान पर खाद का भंडार उपलब्ध है तो वहां से भी किसानों को निर्धारित दर पर खाद मिल सकेगी। इससे किसान अपने नजदीकी दुकान से ही खाद प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि कोई निजी दुकानदार निर्धारित दर पर खाद देने से मना करता है तो तत्काल प्रशासन को इसकी सूचना दें।

संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क के आरोप

एक पते पर दर्जनों कंपनियों के पंजीकरण ने बढ़ाए सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

अनूपपुर जिले के कोतमा, शहडोल जिले के बुढार एवं जयसिंहनगर क्षेत्र तथा उमरिया जिले के करकेली तहसील क्षेत्र से जुड़े कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी और धोखाधड़ी से जुड़े पैसों के लेन-देन के लिए बैंक खातों की व्यवस्था किए जाने के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि बड़े वित्तीय ट्रांजैक्शन के लिए अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया और कुछ मामलों में एक ही पते पर दर्जनों कंपनियां पंजीकृत होने की जानकारी सामने आई है।

पूरे मामले ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर एक ही पते पर इतनी बड़ी संख्या में कंपनियां क्यों पंजीकृत की गईं? क्या इन कंपनियों का वास्तव में अलग-अलग कारोबार चल रहा था या फिर इनका इस्तेमाल केवल बैंकिंग और बड़े वित्तीय लेन-देन के लिए किया जा रहा था? बताया जा रहा है कि इस तरह की गतिविधियों को लेकर पूर्व में भी पुलिस को सूचना दी गई थी। सूचना के आधार पर कुछ मामलों में पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने की बात सामने आई है। वहीं, कुछ मामलों में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने के कारण आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी। सवाल उठ रहा है कि पूर्व में मिली शिकायतों और सूचनाओं के बाद संबंधित बैंक खातों, कंपनियों, मोबाइल नंबरों और वित्तीय लेन-देन की गहराई से जांच की गई थी कानून के अनुसार एक ही व्यावसायिक पते पर कई कंपनियों का पंजीकरण अपने आप में अपराध नहीं है। लेकिन यदि जांच में यह सामने आता है कि कंपनियां वास्तविक कारोबार के बिना केवल कागजों पर बनाई गई थीं और उनका इस्तेमाल संदिग्ध बैंक खातों, फर्जी लेन-देन या धोखाधड़ी की रकम को इधर-उधर करने के लिए किया गया, तो मामला गंभीर हो सकता है।

मेट्रो एंकर

गजब है एमपी.... तोते के लिए 10 हजार का इनाम

घर का लाड़ला 'गोपी' कल से गायब परेशान घरवालों ने छपवाया पोस्टर

शहडोल। दोपहर मेट्रो

आपने अक्सर किसी के बच्चे, पत्नी या पति के लापता होने पर सोशल मीडिया पर पोस्टर और इनाम की घोषणा देखी होगी, लेकिन शहडोल में एक ऐसा मामला सामने आया है। जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया है। यहां एक परिवार का पालतू तोता लापता हो गया है। परिवार ने तोते की तलाश के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है। पोस्टर अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार सोहागपुर थाना क्षेत्र के बाणगंगा मेला मैदान के पास रहने वाले एक्स आर्मी मैन चंदन मिश्रा का पालतू तोता शनिवार दोपहर अचानक उड़ गया। मिश्रा ने बताया कि वह करीब एक साल पहले तोते को अनूपपुर जिले के अमरकंटक से लेकर आए थे। उस समय तोता काफी छोटा था। परिवार ने उसे बचपन से ही पाल-पोसकर बड़ा किया और वह घर के सदस्यों के साथ घुल-मिल गया था। परिवार के मुताबिक, तोते का नाम गोपी है और उसे प्यार से मिट्ठू' भी बुलाया जाता है। पोस्टर में बताया गया है कि तोता हरे रंग का है। उसकी गर्दन पर काली रिंग है और उसकी पीठ के पंख की पहचान अलग है। वह परिवार के सदस्यों की आवाज और कुछ शब्द भी बोलता है। पोस्टर में उसके खास शब्दों का भी जिक्र किया गया है, जिससे उसे पहचानने में आसानी हो सके।

मिलेगा 10 हजार रुपए का इनाम

चंदन मिश्रा ने बताया कि बच्चे तोते के साथ खेल रहे थे। इसी दौरान वह अचानक उड़ गया और वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोग आसपास के इलाकों में उसकी तलाश कर रहे हैं। तोते के गायब होने से परिवार के सभी सदस्य परेशान हैं। मिश्रा के अनुसार, परिवार के लोगों ने तोते के वापस मिलने तक व्रत रखने का फैसला किया है। सूचना देने वाले को 10 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र0 30/2026/e-Tender/N.Puram दि. 05/08/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_527156	नर्मदापुरम	भवन कार्य	नर्मदापुरम के पशु चिकित्सा विभाग के उप निदेशक कार्यालय के प्रथम तल पर मीटिंग हॉल का निर्माण।	प्रथम	15.97	31940/-
2	2026_PWDRB_527157	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	ग्राम पंचायत रतवाड़ा में रतवाड़ा से सेल मार्ग का निर्माण लंबाई 0.37 कि.मी. एवं ग्राम भिलाड़िया कला में गोपाल यादव एवं शेखर यादव के खेत के पास एक रो पुलिया का निर्माण (विधायक निधि)	प्रथम	2.54	5080/-
				कुल योग रूपये		18.51	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 19/08/2026 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई. टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग नर्मदापुरम

जी-16875/26

फाइनल मुकाबले में चीन की हान कियान शी को दी मात

पहला गेम हारीं, कमबैक कर अस्मिता चलिहा बनीं कोरिया मास्टर्स चैंपियन

असान, एजेंसी

भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चलिहा ने शानदार वापसी करते हुए विक्टर कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में अस्मिता ने चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। 53 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और लगातार दो गेम जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब हासिल किया।

फाइनल की शुरुआत अस्मिता के लिए अच्छी नहीं रही। वह पहले गेम में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आईं। हान कियान शी ने इसका फायदा उठाते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम कर लिया। एक गेम से पिछड़ने के बाद अस्मिता ने अपने खेल की गति और आक्रामकता बढ़ाई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लगातार आक्रामक शॉट लगाए और चीनी खिलाड़ी को दबाव में रखा। अस्मिता ने दूसरा गेम भी 21-14 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

अस्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब

कोरिया मास्टर्स की यह जीत अस्मिता चलिहा के कॅरियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 स्तर पर उनका पहला खिताब भी है। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह अस्मिता ने मुकाबले में वापसी की, वह उनकी मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। निर्णायक गेम में भी करीबी मुकाबले के बीच उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर आक्रामक खेल दिखाकर इतिहास रच दिया।

शाहनवाज खान।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

7.84 मी. छलांग लगाकर शाहनवाज ने जीता ब्रॉन्ज

यूजीन, एजेंसी

भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने आज अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया।

18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन। फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

बासंत मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता

इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी। उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन शनिवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भारत की ओलिंपिक दावेदारी का समर्थन करेगा इंग्लैंड-वेल्स क्रिकेट बोर्ड : गाउल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट संबंध आने वाले वर्षों में और मजबूत होने की उम्मीद है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गाउल्ड ने दैनिक जागरण से कहा कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच बेहद मजबूत और दीर्घकालिक संबंध हैं।

पुरुष क्रिकेट के अलावा महिला, दिव्यांग क्रिकेट, दृष्टिबाधित क्रिकेट और जमीनी स्तर के विकास में भी दोनों देशों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। गाउल्ड ने भारत की संभावित 2036 ओलिंपिक मेजबानी की दावेदारी का समर्थन करने की भी बात कही।

इस समय में मिक्स्ड डिसएबिलिटी (मिश्रित दिव्यांगता) भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड दौरे पर है। फिलहाल सात मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। इस पर गाउल्ड ने कहा कि करीब तीन-चार साल पहले ईसीबी से जुड़े इयान मार्टिन ने ऐसा प्रारूप तैयार करने का विचार दिया था, जिसमें अलग-अलग तरह की दिव्यांगता वाले खिलाड़ी एक साथ मैदान पर उतर सकें और दुनिया भर के देश एक-दूसरे के खिलाफ खेल सकें। मिक्स डिसएबिलिटी क्रिकेट को राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और भविष्य के पैरालिंपिक में शामिल कराने की संभावनाएं रोमांचक हैं।

आगे की योजना बना रहे

गाउल्ड ने कहा कि ईसीबी और बीसीसीआई के बीच लंबे समय की योजना पर काम होता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की टेस्ट सीरीज अगले 10 से 15 वर्षों तक के कार्यक्रम में पहले से शामिल होती हैं। उन्होंने बीसीसीआइ को वैश्विक क्रिकेट का सबसे महत्वपूर्ण क्रिकेट बोर्ड बताया। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल द्वारा त्रिकोणीय सीरीज की वापसी की इच्छा जताए जाने पर गाउल्ड ने कहा कि अगले 12 से 18 महीनों में कुछ त्रिकोणीय सीरीज पहले से निर्धारित हैं और यह प्रारूप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भूमिका निभा सकता है।

विवादित लीग में खेलने पर पीसीबी सख्त

पाकिस्तानी क्रिकेटरों पर लग सकता है दो साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के दर्जन भर से ज्यादा क्रिकेटरों पर दो साल के बैन का खतरा मंडरा रहा है। इसका कारण उनका जाम्बिया में अस्वीकृत लीग में हिस्सा लेना है। इस लीग को देश के क्रिकेट बोर्ड ने बीच में ही रोक दिया था और इसी कारण खिलाड़ियों को मिलने वाली फीस भी अधर में लटक गई है।

लुसाका में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग में तमाम पूर्व क्रिकेटरों को खेलते हुए देखा गया, लेकिन जाम्बिया क्रिकेट यूनियन ने पिछले सप्ताह ये साफ कर दिया था कि उसने इस लीग को मान्यता नहीं दी है और न ही क्रिकेट बोर्ड इस लीग का समर्थन करता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह अपने पूर्व खिलाड़ियों द्वारा इस लीग में हिस्सा लेने के मामले को गंभीरता से ले रहा है। बोर्ड ने साथ ही चेतावनी भी दी है कि जो भी खिलाड़ी बिना अनुमति लीग में हिस्सा लेगा उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मोहम्मद हफीज, सोहेल तनवीर और उमर अकमल लीग में हिस्सा लेने लुसाका पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने इसमें हिस्सा नहीं लिया क्योंकि उन्हें इस बात की जानकारी मिल चुकी थी खेलने के लिए जो अनुमति चाहिए वो मिली नहीं है। हालांकि, कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने इस लीग में हिस्सा लिया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सोहेल की सक्सेस पार्टी में सलमान का स्वैग, पैपराजी को उंगली दिखाकर बोले- रात में शोर कम करो

मुंबई. एजेंसी। रियलिटी शो 'अलायंस' के खत्म होने के बाद अभिनेता सोहेल खान ने मुंबई में सक्सेस पार्टी आयोजित की। पार्टी में उनके बड़े भाई और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी खास अंदाज में पहुंचे। सलमान ने ऑल ब्लैक लुक के साथ सिर पर हैट पहन रखी थी। पार्टी से बाहर निकलते समय उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

दरअसल, जब सलमान अपनी कार के पास पहुंचे तो वहां मौजूद पैपराजी उनका नाम लेकर जोर-जोर से आवाज लगाने लगे। इस पर सलमान ने उंगली उठाकर उन्हें शांत रहने का इशारा किया। उन्होंने हाथ के संकेत से समझाया कि रात काफी हो चुकी है, इसलिए आसपास के माहौल का ध्यान रखते हुए शोर कम किया जाए। सलमान का यह अंदाज कैमरे में कैद हो गया। पार्टी के लिए सलमान ने ब्लैक टी-शर्ट और ब्लैक ब्लेजर के साथ मैरून पैटर्न वाली पैंट पहनी थी। ब्लैक हैट ने उनके लुक को और स्टाइलिश बना दिया।

पार्टी के अंदर की कुछ तस्वीरें टीवी अभिनेता कुशाल टंडन ने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। एक तस्वीर में वे सलमान खान के साथ पोज देते नजर आए, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने पार्टी के होस्ट सोहेल खान के साथ फोटो खिंचवाई। इस दौरान सोहेल डांगरी पहने नजर आए। पार्टी में शो के होस्ट कुणाल खेमू अपनी पत्नी सोहा अली खान के साथ पहुंचे। शो के कई कंटेस्टेंट्स और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दोस्तों ने भी शिरकत की और साथ मिलकर शो की सफलता का जश्न मनाया।

ऑल ब्लैक लुक और हैट में पहुंचे भाईजान, पार्टी में कुशाल टंडन समेत कई सितारों ने की शिरकत

यशस्वी संग डेटिंग की खबरों पर मृणाल ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'भाई, थोड़ा आराम करो'

मुंबई. एजेंसी। एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल इन दिनों कथित डेटिंग की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। दोनों को मुंबई के बांद्रा इलाके में एक कैफे के आसपास देखे जाने के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसके आधार पर दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गईं। अब मृणाल ठाकुर ने खुद इन खबरों पर प्रतिक्रिया देकर अफवाहों को लेकर नाराजगी जताई है।

वायरल वीडियो के आधार पर दावा किया गया था कि मृणाल और यशस्वी एक ही जगह पहुंचे और बाद में अलग-अलग वहां से निकले। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे दोनों की डेटिंग से जोड़ना शुरू कर दिया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में दोनों के रिश्ते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। कुछ सोशल मीडिया चर्चाओं में वायरल क्लिप को अलग-अलग वीडियो जोड़कर तैयार किए जाने का दावा भी किया गया। लगातार चल रही अटकलों के बीच मृणाल ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'क्ष्न्श्थ ह्द्द्यड्ड×', यानी भाई, थोड़ा आराम करो। उन्होंने त्द्गठ्ठ को संबोधित करते हुए यह भी संकेत दिया कि सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलाने के बजाय जरूरी और गंभीर मुद्दों पर वीडियो बनाने चाहिए। मृणाल का जन्म 1992 में हुआ है, जबकि यशस्वी जायसवाल 2001 में पैदा हुए। दोनों की उम्र में करीब नौ साल का अंतर है। हालांकि, उम्र के अंतर को लेकर चर्चा के बावजूद दोनों ने अपने रिश्ते की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। मृणाल की प्रतिक्रिया के बाद फिलहाल डेटिंग की खबरों पर विराम लगता नजर आ रहा है।

नई फ्यूल इकोनॉमी पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी, प्रदूषण वाली कारों पर कंपनियों को देना होगा क्रेडिट का खर्च

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने यात्री वाहनों के लिए नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी मानकों का ड्राफ्ट जारी किया है। प्रस्तावित नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे। इनका उद्देश्य वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने, पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने और प्रदूषण पर नियंत्रण करना है। नई नीति का असर कारों की कीमत और कंपनियों की रणनीति पर भी पड़ सकता है।

प्रस्ताव के तहत इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों को 'सुपर क्रेडिट' मिलेगा। एक इलेक्ट्रिक कार को कंपनियों के औसत प्रदर्शन में तीन कारों के बराबर और हाइब्रिड कार को 1.6 कार के बराबर गिना जाएगा। इससे कंपनियों के लिए उत्सर्जन मानकों को पूरा करना आसान होगा और वे इन वाहनों को ज्यादा आकर्षक कीमतों या ऑफर्स के साथ बाजार में उतार सकती हैं।

वहीं ज्यादा प्रदूषण करने वाली पेट्रोल-डीजल कारें कंपनियों के लिए महंगी पड़ सकती हैं। तय सीमा से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन होने पर कंपनियों को क्रेडिट खरीदना पड़ेगा। इसकी कीमत 2,500 से 4,500 रुपये प्रति ग्राम कार्बन डाईऑक्साइड तक हो सकती है। कंपनियां इस अतिरिक्त लागत को कारों की कीमत बढ़ाकर ग्राहकों से वसूल सकती हैं। फ्लेक्स-फ्यूल यानी E85 और E100 वाहनों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं E20 कारों के उत्सर्जन को 8% कम माना जाएगा। नई कारों में ईंधन बचाने वाली तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा और माइलेज मापने के लिए भारत वैश्विक WLTP प्रणाली की ओर बढ़ेगा। नियम केवल 1 अप्रैल 2027 के बाद बनने या आयात होने वाली नई Mv श्रेणी की कारों पर लागू होंगे।

टॉप-10 कंपनियों में 4 का मार्केट-कैप 1.43 लाख करोड़ बढ़ा, SBI सबसे बड़ा गेनर

मुंबई। बीते सप्ताह देश की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली टॉप-10 कंपनियों में से चार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में कुल करीब 1.43 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसमें सबसे बड़ा फायदा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को हुआ। बैंक की मार्केट वैल्यू में 63,922.03 करोड़ का इजाफा हुआ और कुल मार्केट कैप बढ़कर करीब 10.12 लाख करोड़ पहुंच गया।

मार्केट कैप बढ़ाने वाली अन्य कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, TCS और लार्सन एंड टुब्रो शामिल रहीं। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 32,816.40 करोड़ बढ़कर 18.01 लाख करोड़ हो गया। वहीं TCS की वैल्यू में 31,875.35 करोड़ की बढ़ोतरी हुई और इसका मार्केट कैप करीब 8.87 लाख करोड़ पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो (L&T) का मार्केट कैप भी 14,637.76 करोड़ बढ़ा और यह 5.56 लाख करोड़ हो गया। दूसरी तरफ टॉप-10 में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में कुल करीब ?1.23 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। इनमें भारती एयरटेल, HDFC बैंक, ICICI बैंक, बजाज फाइनेंस, LIC और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। इस दौरान LIC को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

क्या होता है मार्केट कैप

मार्केट कैपिटलाइजेशन किसी कंपनी के बाजार मूल्य को दर्शाता है। इसकी गणना कंपनी के कुल जारी शेयरों की संख्या को एक शेयर की मौजूदा कीमत से गुणा करके की जाती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी कंपनी के 1 करोड़ शेयर हैं और एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो उसका मार्केट कैप 20 करोड़ रुपए होगा।

हाउस ऑफ द आर्ट्स... 6 हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था

अबू धाबी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खदियात आइलैंड स्थित कल्चरल डिस्ट्रिक्ट में 'दार अल फुनून' (हाउस ऑफ द आर्ट्स) नाम का एक नया परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर बन रहा है। यह पूरी तरह 2030 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इस कॉम्प्लेक्स में ओपेरा, बैले, थिएटर, कॉन्सर्ट और जैज जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इस पूरे कॉम्प्लेक्स में 6 हजार से अधिक सीटों की व्यवस्था होगी, साथ ही यहां रेस्टोरेंट, रिटेल एरिया, इवेंट स्पेस और रूफटॉप टेरेस भी उपलब्ध होंगे। केंद्र में 2,000 से अधिक सीटों वाला एक मल्टीपरपज हॉल होगा, जिसमें 120 संगीतकारों के लिए ऑर्किस्ट्रा पिट बनाया जाएगा। इसके अलावा, परिसर में 3,500 सीटों वाला आउटडोर एम्फीथिएटर, 400 सीटों वाला स्टूडियो थिएटर और 250 सीटों वाला जैज केन्यू भी शामिल होगा।

न्यूज विंडो

ट्रक -बस की टक्कर, दोनों वाहन पुल से गिरे नीचे, 40 यात्री घायल

अनंतपुर। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। एक प्राइवेट वोल्वो बस ट्रक (आइशर) से टकरा गई। बस नियंत्रिण खोने के बाद पोगुरु पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में करीब 40 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के दौरान बस और ट्रक पुल से नीचे आ गिरे। दोनों वाहनों के परखच्छे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को इलाज के लिए पमिडी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए अनंतपुर सरकारी अस्पताल रेफर किया गया है।

जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने नष्ट की 1600 किलो सोहनपापड़ी

जयपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाने के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आनंद धाबास की निर्माण इकाई पर छापेमारी के दौरान 1600 किलो सोहनपापड़ी नष्ट की गई। इसके साथ ही सोहनपापड़ी और बादाम कटिंग के सैंपल भी लिए गए। विभाग की टीम को बड़ी मात्रा में तैयार सोहनपापड़ी पर पैकेजिंग डेट और एक्सपायरी डेट नहीं मिली। इसके अलावा जांच के दौरान स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई कमियां भी सामने आईं। कुछ दिन पहले गुजरात में भी एक नकली घी की फैक्ट्री पकड़ी गई थी। इसके बाद एनालॉग पनीर पर बैन लगा दिया गया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चल रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत की गई।

बेकाबू स्कॉर्पियो ने दरोगा समेत 3 को रौंदा, बीएमपी जवान की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शनिवार रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दरोगा समेत तीन लोगों को कुचल दिया। इस भीषण हादसे को अंजाम दिया। मोतीपुर थाना के पास हुए इस हादसे में थाने में तैनात बीएमपीजवान भार्गव भूषण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दरोगा और होटल संचालक विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के मुताबिक बीएमपी जवान भार्गव भूषण और दरोगा सब्जी खरीदने के लिए मोतीपुर थाना से बाजार की ओर जा रहे थे। जैसे ही दोनों थाना गेट से बाहर निकले, मोतिहारी की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बीएमपीजवान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गए।

20 हजार लोगों को छोड़ने पड़े अपने घर

ब्रिटिश कोलंबिया में जंगल की आग हाहाकार के बाद इमरजेंसी घोषित

वैंकूवर, एजेंसी

ब्रिटिश कोलंबिया में तेजी से फैल रही जंगल की आग से हाहाकार मचा हुआ है। इस आग के रातों-रात दोगुना होने के बाद इमरजेंसी घोषित कर दी गई। पश्चिमी कनाडा के इस प्रांत में हजारों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

बाल्ड रेंज वाइल्डफायर तेजी से फैलकर लगभग 9,500 हेक्टेयर (23,500 एकड़) तक पहुंच गई और बेकाबू हो गई। इसके कारण ब्रिटिश कोलंबिया के दक्षिणी अंदरूनी इलाके में ओकानागन झील के पश्चिम में स्थित समरलैंड, पीचलैंड और अन्य इलाकों में लोगों को जगह खाली करने के आदेश दिए गए।

यह इलाका ब्रिटिश कोलंबिया के ज्यादातर अंगूर के बागों (वाइनयार्ड) का घर है और कनाडा का दूसरा सबसे बड़ा वाइन बनाने वाला क्षेत्र है। अधिकारियों ने बताया कि इस आग की वजह से प्रांत में गर्मियों के दौरान अब तक का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाना पड़ा है, जिसमें ब्रिटिश कोलंबिया में 20,000 से ज्यादा लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

लगा जैसे कोई बम फटा हो

इमरजेंसी की स्थिति प्रांतीय सरकार को तुरंत विशेष अधिकार देती है, जिसमें यात्रा पर पाबंदी लगाना, सामान की कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी को रोकना और आपातकालीन व बचाव कार्यों में तालमेल बिठाना शामिल है। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आग बुझाने वाले एक अधिकारी ने इस आग को बम फटने जैसा बताया है।रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एबी ने बताया, 'उन्होंने 100 फीट ऊंचे पेड़ पर आग की लपटों और उनसे 200 फीट ऊपर तक उठती लपटों का जिक्र किया।

हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त: जंगल में आग लगी, चार लोगों की मौत

वैंकूवर। ब्रिटिश कोलंबिया में तेजी से फैल रही जंगल की आग से हाहाकार मचा हुआ है। इस आग के रातों-रात दोगुना होने के बाद शनिवार को इमरजेंसी घोषित कर दी गई। पश्चिमी कनाडा के इस प्रांत में हजारों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।बाल्ड रेंज वाइल्डफायर तेजी से फैलकर लगभग 9,500 हेक्टेयर (23,500 एकड़) तक पहुंच गई और बेकाबू हो गई। इसके कारण ब्रिटिश कोलंबिया के दक्षिणी अंदरूनी इलाके में ओकानागन झील के पश्चिम में स्थित समरलैंड, पीचलैंड और अन्य इलाकों में लोगों को जगह खाली करने के आदेश दिए गए।यह इलाका ब्रिटिश कोलंबिया के ज्यादातर अंगूर के बागों (वाइनयार्ड) का घर है और कनाडा का दूसरा सबसे बड़ा वाइन बनाने वाला क्षेत्र है। अधिकारियों ने बताया कि इस आग की वजह से प्रांत में गर्मियों के दौरान अब तक का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाना पड़ा है।

महाराष्ट्र में दूध की कीमत 2 रुपये बढ़ी, 11 अगस्त से लागू होंगे नए रेट

मुंबई। महाराष्ट्र में दूध की कीमत 2 रुपये बढ़ गई हैं। दूध के नए रेट 11 अगस्त से लागू होंगे। अब गाय के दूध की कीमत 62 रुपये प्रति लीटर होगी। वहीं, भैंस का दूध 78 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। अब तक गाय का दूध 60 रुपये और भैंस का दूध 76 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहा था। डेयरी संचालकों का कहना है कि दूध के परिवहन की लागत बढ़ी है। किसानों से दूध इकट्ठा करने में भी ज्यादा पैसे लग रहे हैं। इस वजह से दूध की कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया था।

गाय और भैंस दोनों के दूध की कीमतें बढ़ने के कारण, राज्य भर के उपभोक्ताओं पर इस मूल्य वृद्धि का असर पड़ने की आशंका है। यह निर्णय दूध की कीमतों को लेकर चल रही चर्चाओं और दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा के उपायों के बीच आया है, साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं कि बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। पिछले महीने सरकार ने संसद को सूचित किया कि दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, और कहा कि कीमतें बाजार की स्थितियों के आधार पर सहकारी समितियों और निजी डेयरियों द्वारा निर्धारित की जाती रहेंगी।

आतंकियों की कश्मीरी पंडितों को धमकी कहा- कश्मीर के बाहर भी करेंगे पीछा

श्रीनगर। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टेरर ग्रुप यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल ने कश्मीरी पंडित सरकारी कर्मचारियों को एक नया धमकी भरा नोट जारी किया है। इस थ्रेट नोट में 6 सरकारी कर्मचारियों के नाम और फोन नंबर हैं। इस थ्रेट नोट के सामने आने के बाद सिक्योरिटी एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। इस ग्रुप के बारे में कहा जा रहा है कि यह ग्रुप लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा एक शैडो फ्रंट ग्रुप है। इस ग्रुप ने धमकी दी है कि अगर टेररिस्ट सपोर्टर और लड़कों की प्रॉपर्टी अटैच या सीज की गई तो वे सिक्योरिटी कर्मचारियों और एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेंगे। थ्रेट नोट में यह भी कहा गया है कि ग्रुप सरकारी डिपार्टमेंट, खासकर रेवेन्यू डिपार्टमेंट पर नजर रख रहा है, जहां सरकारी पैकेज के तहत काम करने वाले कश्मीरी पंडित पोस्टेड हैं। संगठन ने कश्मीरी पंडितों को आगे चेतावनी दी कि घाटी से जम्मू में शिफ्ट होने से वे हमलों से सुरक्षित नहीं रहेंगे, और कश्मीर के बाहर भी उनका पीछा करने की धमकी दी।

नाबालिगों और युवाओं का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, फोन से मिले 600 वीडियो

मुंबई। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की पुलिस ने एक 22 साल के युवक को नाबालिगों और युवाओं का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी 2022 से ही पीड़ितों को सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल और उनका शोषण कर रहा था।

पुलिस अधीक्षक अश्विनी सानप ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से 600 से ज्यादा अश्लील वीडियो बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि डिवाइस में मिले वीडियो से पीड़ितों की पहचान करने के बाद पुलिस ने उनके बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है।

'पैसे का लालच देकर करता था अपराध'

उन्होंने बताया, 'पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नाबालिगों को पैसे का लालच देकर उनके खिलाफ

अपराध कर रहा था। आरोपी ने अपनी पहचान 22 वर्षीय चेतन प्रकाश कोली के तौर पर बताई। वह रायसिंहपुरा का रहने वाला है। जब उसका मोबाइल फोन चेक किया गया तो उसमें कई अश्लील वीडियो और तस्वीरें मिलीं। फोरेंसिक टीम ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया, जरूरी जांच पूरी की और उसे आगे की जांच के लिए भेज दिया।'

मेट्रो एंकर मां-बाप खुद भेजते है बच्चों को, 6 महीने के लिए चुकाने पड़ते हैं 4000 डॉलर

चीन में अनुशासन सिखाने के लिए बनाई 'डिसिप्लिन इंडस्ट्री'

बीजिंग, एजेंसी

चीन में कई संस्थान मिलिट्री-स्टाइल अनुशासन और शारीरिक सजा देने के लिए बदनाम हो गए थे। इसके बाद लोगों के विरोध के कारण इस इंडस्ट्री को खुद को फैमिली एजुकेशन सेंटर, बिहेवियरल इंटरवेंशन प्रोग्राम या यूथ डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के तौर पर रीब्रांड करना पड़ा।एक रिपोर्ट के मुताबिक, भले ही नाम बदल गए हों, लेकिन इनका बिजनेस मॉडल अब उन वयस्कों तक भी फैल गया है जिनकी निजी पसंद उनके माता-पिता की उम्मीदों से मेल नहीं खाती।

ऑनलाइन मैगजीन द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट के अनुसार, रोमांटिक रिश्ते, बहुत ज्यादा गेमिंग, बेरोजगारी, लीक से हटकर करियर चुनना और सोने का अनियमित समय ये सभी दखलंदाजी की वजह बन सकते हैं।

मार्च में बीजिंग में संगीत की पढ़ाई कर रही एक 21 साल की छात्रा पियानो सिखाने के लिए एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स गई। वहां उसके पिता, बुआ और एक प्राइवेट डिसिप्लिनरी संस्थान के दो कर्मचारी उसका इंतजार कर रहे थे। उसके रिश्तेदारों ने उससे कहा कि अजनबी लोग पुलिस अफसर हैं जो परिवार के एक मामले की जांच कर रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि उन्होंने जबरदस्ती उसे गाड़ी में बिठाया, उसका फोन छीन लिया और उसे सैकड़ों मील दूर हेनान प्रांत के एक संस्थान में ले गए, जहां वह अगले 11 दिनों तक रही।सदर्न पीपुल वीकली का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके माता-पिता उसके रिश्ते से खुश नहीं थे और उन्हें लगता था कि उनकी बेटी पहले उनकी बात मानती थी अब उसे संभालना मुश्किल हो गया है।

मोटी रकम वसूलते हैं ये संस्थान

उन्होंने उसे अलग-थलग रखने, उसकी रोजमर्रा की गतिविधियों पर नजर रखने और उसे रिश्ता तोड़ने के लिए मनाने के लिए उस संस्थान की सर्विस ली। रिपोर्टों से पता चलता है कि यह संस्थान छह महीने के लिए 26,800 युआन (लगभग 4,000 डॉलर) और एक साल के लिए 36,800 युआन चार्ज करता था, जिसमें रहने और खाने-पीने का खर्च भी शामिल था।चाइना न्यूजवीक की जुलाई की एक जांच में ऐसे कई वयस्कों का जिक्र किया गया जिन्हें उनके अपने परिवारों ने ऐसे ही संस्थानों में रखा था। 21 साल के एक युवक ने बताया कि उसके माता-पिता ने उसकी सोने की आदतों को सुधारने के लिए एक संस्थान को पैसे दिए थे।चीनी मीडिया आउटलेट जिएमियन न्यूज की जांच का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के एक बिहेवियरल करेक्शन स्कूल में 33 साल तक के वयस्क किशोरों के साथ रह रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कानून के तहत किसी व्यक्ति की निजी आजादी पर गैर-कानूनी रोक लगाना अपराध है और ऐसा करने वालों को तीन साल तक की जेल हो सकती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564